शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 197 | गुवाहाटी | गुरुवार, 15 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आक्रामक होते किसानों से निपटने के लिए सरकार में मंथन पेज 2
मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा करेंगे श्याम गांव का दौरा पेज 3
सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से भरा पर्चा, रायबरेली... पेज 5
इस्लामाबाद में टेनिस खिलाड़ी के साथ बड़ा हादसा, अभ्यास सत्र के बाद... पेज 7

प्रधानमंत्री ने अबूधाबी में बीएपीएस मंदिर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूएई के अबूधाबी स्थित बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन किया। मंदिर उद्घाटन के बाद उन्होंने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए महंत स्वामी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी को माला पहनाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के 1,200 से अधिक बीएपीएस मंदिरों में एक साथ की गई *वैश्विक आरती* में भाग लिया। यहां उन्होंने मंदिर में वर्चुअल गंगा, यमुना नदी में जल चढ़ाया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने मंदिर निर्माण में शामिल रहे कारीगरों और मजदूरों से मुलाकात की।

यह मंदिर 27 एकड़ में फैला है और इसकी ऊंचाई 108 फीट है। इसके निर्माण में 18 लाख ईंटों का इस्तेमाल किया गया है। दुनिया भर के अन्य सभी बीएपीएस मंदिरों की तरह यह मंदिर हर किसी के लिए खुला है। पारंपरिक नागर शैली में बना यह मंदिर सार्वभौमिक मूल्यों, विभिन्न संस्कृतियों के सद्भाव की कहानियों, अवतारों और हिंदू आध्यात्मिक नेताओं का प्रतिनिधित्व करता है। मंदिर के बाहरी हिस्से में राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मंदिर के आंतरिक भाग में इटालियन मार्बल का उपयोग किया गया है। मंदिर में केंद्रीय गुंबद – *सद्भाव का गुंबद* और *शांति का गुंबद* हैं। सात शिखर, 12 समरन शिखर जिसको *घुम्मट* कहते हैं। सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरातों के प्रतिनिधि हैं। इसमें 402 खंभे, 25,000 पत्थर के टुकड़े, मंदिर तक जाने वाले रास्ते के चारों ओर 96 घंटियां और गौमुख स्थापित हैं। इसमें नैनो टाइल्स का इस्तेमाल किया गया है, जो गर्मी की मौसम में भी पर्यटकों के लिए चलने में आरामदायक होगी। मंदिर के ऊपर बायीं ओर 1997 में अबू धाबी में मंदिर की कल्पना करने वाले परम पूज्य प्रमुख स्वामीजी महाराज की तस्वीर को एक पत्थर पर उकेरा गया है। मंदिर के ऊपरी दाहिनी ओर उस समय की स्मृति उकेरी गई है जब परम पूज्य महंत स्वामीजी महाराज ने 2019 में आधारशिला रखी थी। मंदिर में किसी भी प्रकार के लोहे और स्टील का नहीं बल्कि पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। मंदिर में गोलाकार, षटकोणीय जैसे विभिन्न प्रकार के खंभे देखे जा सकते हैं। यहां एक विशेष स्तंभ है, जिसे *स्तंभों का स्तंभ* कहा जाता है, इसमें लगभग –शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया को ऐसी सरकारों की जरूरत जो भ्रष्टाचार से मुक्त हों : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दुनिया में आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी हों और भ्रष्टाचार से मुक्त हों। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ साल से उनका मंत्र *न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन* रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी यात्रा के दूसरे दिन यहां विश्व सरकार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में सरकार पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनता को भारत सरकार की मंशा और प्रतिबद्धता पर भरोसा है। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमने जन भावनाओं को प्राथमिकता दी। मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सरकार में 23 साल –शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राज्य में कोई विपक्ष नहीं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में अब कोई विपक्ष नहीं है। जो लोग वहां हैं, उनके शरीर कांग्रेस पार्टी के साथ हैं, लेकिन उनका मन भाजपा के साथ है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कही। मुख्यमंत्री बुधवार को असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान सदन से बाहर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ और बसंत दास के कांग्रेस के सदस्य होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से भाजपा को समर्थन देने की घोषणा करने के रुख का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के साथ कोई विधायक नहीं है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो नहीं, कांग्रेस तोड़ो यात्रा थी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस राजीव भवन में हमारे ही लोग हैं। लोकसभा में भाजपा को कितनी सीटें मिलने संबंधी एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि टिकट देने के बाद हम कह सकेंगे कि साढ़े ग्यारह या 12 हैं या नहीं। लोकसभा चुनाव में अभी भी 12 सीटें निश्चित नहीं हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 13 और 14 सीटें नहीं मिलेंगी। दरअसलए राज्य में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं। उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनावों में एक सौ सीटें जीतेंगे। –शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के दो मजबूत विधायक पार्टी में रहते हुए भाजपा का करेंगे समर्थन

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही असम प्रदेश कांग्रेस के लिए लगातार परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। एक के बाद एक नेता अब कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान बुधवार को कांग्रेस के दो विधायकों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की संभावना व्यक्त की है। मंगलदै के विधायक बसंत दास और उत्तर करीमगंज के विधायक तथा असम प्रदेश –शेष पृष्ठ दो पर

विधायकों को शानदार बस में बुलाया और...

मुख्यमंत्री ने सुनाई राहुल गांधी की असम यात्रा की *कहानी*

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक छोटी सी कहानी सुनाई। शर्मा ने बुधवार को मीडिया कर्मियों से बात की और कहा कि राहुल गांधी ने राज्य में उनकी पार्टी के विधायकों को विधानसभा नहीं चलने देने की धमकी दी थी। शर्मा ने यह किस्सा राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान का बताया है। उन्होंने कहा कि गांधी जब

असम में थे तब उन्होंने राज्य के सभी कांग्रेस विधायकों को अपनी शानदार बस में बुलाया था। इसके बाद उन्होंने धमका कर कहा कि असम विधानसभा को चलने नहीं देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मुख्यमंत्री पांच से 15 साल के लिए पार्टी से निलंबित होने के लिए तैयार रहें। हालांकि, उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों के समर्थन से सदन शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। सोशल –शेष पृष्ठ दो पर

काकचिंग में हथियारबंद लोगों ने ग्रामीणों पर किया हमला

इंफाल। मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू गांव में बुधवार सुबह गोलीबारी की खबर आई। खबर है कि कुछ हथियारबंद लोगों ने गावों में तैनात ग्रामीण स्वयंसेवकों पर हमले

कर दिए, जिसके बाद दोनों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि छिटपुट गोलीबारी जारी है। पुलिस ने बताया कि कई हथियारबंद लोगों ने सुगनू की ओर गोलियां चलाईं, जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों ने जवाबी कार्रवाई की। इसके साथ ही मोर्चा संभालने के लिए –शेष पृष्ठ दो पर

किसानों के भारत बंद को सरकारी कर्मियों का मिला साथ

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा *एसकेएम* की तरफ से 16 फरवरी को *भारत बंद* का आह्वान किया गया है। एसकेएम के अधिकांश घटक दल, राष्ट्रव्यापी बंद में शामिल होंगे। अब किसानों के भारत बंद को सरकारी कर्मचारियों का साथ मिल गया है। केंद्र सरकार के पुरानी पेंशन बहाली और 8वें वेतन आयोग के गठन से इंकार करने से गुस्साए देशभर में लाखों की संख्या में सरकारी कर्मचारी, 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। देश की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियन से जुड़े करोड़ों की संख्या में मजदूरों ने भी 16 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया, 16 फरवरी को हड़ताली कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों पर प्रदर्शन करने के उपरांत जिला मुख्यालयों के लिए कूच करेंगे। बतौर सुभाष लांबा, संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ 16 फरवरी को ग्रामीण भारत बंद का एलान किया है। कर्मियों, मजदूरों व किसानों के आह्वान पर इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल व भारत बंद से जनजीवन –शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मंत्रणा को गुप्त रखने से ही कार्य सिद्ध होता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

टीएमसी अब तालिबानी मानसिकता वाली पार्टी बन गई है : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार पर भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस को तालिबानी मानसिकता वाली पार्टी करार दिया है। बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अब तालिबानी मानसिकता –शेष पृष्ठ दो पर

हम अपने सैन्य प्रशिक्षण के कारण ही रह पाए जीवित

तिरुवनंतपुरम। कतर सरकार द्वारा रिहा किए गए आठ भारतीय नौसेना के अधिकारी देश वापस लौट आए हैं। इन आठों नौसेना के अधिकारियों में से एक, रागेश गोपकुमार ने कतर में महीनों तक कैद में रहने के बाद घर लौटने और अपने परिवार के साथ फिर से मिलने पर खुशी और आभार व्यक्त किया। गोपकुमार ने राहत महसूस करते हुए कहा कि हम जीवित रहकर –शेष पृष्ठ दो पर

आईडब्ल्यूटी टर्मिनल व सामुदायिक जेट्टी का सोनोवाल करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल बिहार के सारण में कालूघाट आईडब्ल्यूटी टर्मिनल और सामुदायिक जेट्टी का उद्घाटन करेंगे। आईडब्ल्यूटी टर्मिनल 82.48 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसके अतिरिक्त वे बिहार के बेतिया

में गंडक नदी पर दो सामुदायिक जेट्टी की आधारशिला रखेंगे। एक सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक सर्वानंद सोनावाल 15 फरवरी को बिहार में 14 और झारखंड में दो सामुदायिक जेट्टी का भी उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी और अंतर्देशीय जल-मार्गों से व्यापार की सुविधा प्रदान करेंगी। बिहार के सारण जिले में गंगा नदी के उत्तरी तट –शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल में देर रात हो रही थी पूजा, शिक्षा विभाग ने दिए जांच के आदेश

कोझिकोड। केरल में एक सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को देर रात पूजा करने की खबर सामने आई है। स्कूल में देर रात पूजा करने की सूचना मिलने के बाद कुछ लोगों ने इसे रोकने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि स्कूल प्रबंधन के आदेश पर पूजा की जा रही थी, जिसकी जानकारी स्थानीय निवासियों को मिलने के बाद जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने बताया कि यह घटना कुट्टियाडी के पास नेदुमन्नूर लोअर –शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनने की संभावना

शहबाज शरीफ बन सकते हैं अगले पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की अगुवाई में प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन के अगली सरकार बनाने के लिए आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार करने की संभावना के साथ उनका देश का नया प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है और इसके साथ ही चुनाव में मिले खंडित

जनादेश के बाद सरकार के भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलें खत्म हो जाएंगी। शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के आसिफ अली जरदारी, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खालिद मकबूल सिद्दीकी ने मंगलवार रात को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद (पीएमएल-क्यू) के शुजात हुसैन के आवास पर मुलाकात की और सरकार गठन पर सहमति जताई। शरीफ ने बैठक में उपस्थित अन्य नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि आज हम देश को यह बताने के लिए एकजुट हुए हैं कि हमने खंडित जनादेश स्वीकार कर लिया है। मैं जरदारी और बिलावल (भुट्टो) का आभारी हूं कि उन्होंने पाकिस्तान –शेष पृष्ठ दो पर

अनोखा प्रेम : 21 साल में एक करोड़ बार प्रेमिका का नाम लिख चुके हैं प्रेमी

रांची। झारखंड के रांची जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां एक प्रेमी ने पिछले 21 साल में अपनी प्रेमिका का नाम 1 करोड़ बार लिखा है। दरअसल, रांची के

रातू रोड स्थित किसना नगर के रहने वाले किशोर 30 साल पहले एक लड़की से प्रेम कर बैठे, लेकिन शायद उनकी किस्मत में उस लड़की को पाना नहीं लिखा था। किशोर बताते हैं कि जिस लड़की से वह बेइंतहा प्यार कर बैठे उस लड़की की शादी कहीं और हो गई। किशोर थोड़े निराश जरूर हुए, लेकिन अपनी प्रेमिका की याद को जिंदा रखने के लिए उन्होंने 33 साल की उम्र में उसका नाम लिखना शुरू किया। उन्होंने संकल्प लिया कि वह अपनी प्रेमिका का नाम 1 करोड़ बार लिखेंगे। किशोर कहते हैं कि काम के बाद उनको जब समय मिलता वह नाम लिखते थे। नाम लिखने में उनको –शेष पृष्ठ दो पर

चुनावी स्याही अब पांच सेकेंड में छोड़ेंगी अपनी छाप

नई दिल्ली। चुनावों में अंगुलियों पर लगने वाली अमिट स्याही को अब मिटाना आसान नहीं होगा। बल्कि यह अंगुलियों पर लगने के पांच सेकेंड के भीतर ही अपनी छाप छोड़ देगी। इतना ही नहीं, अंगुलियों में इसे लगाने से पहले अब यह भी देखा जाएगा, कि मतदाता ने अपने हाथों में तेल या फिर चिकनाई वाली कोई चीज तो नहीं लगाई है। यदि ऐसा है तो पहले उनकी अंगुलियों को कपड़े से साफ किया जाएगा। फिर उसे लगाया जाएगा। यही वजह है कि चुनाव के दौरान मतदान कर्मियों को दी जाने वाली चुनाव सामग्री की किट में अब हाथों को साफ करने के लिए एक कपड़ा भी

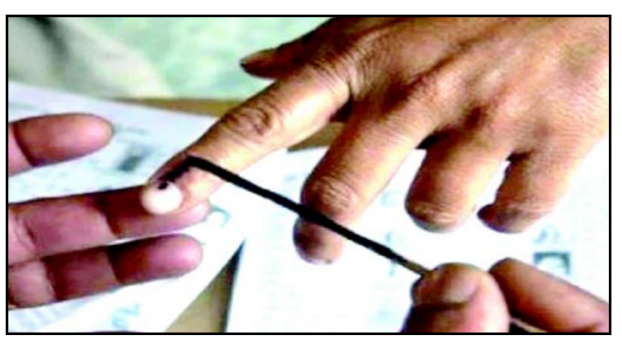

मुहैया कराने के निर्देश दिए गए है। चुनाव आयोग ने यह पहल तब की है, जब चुनाव में गड़बड़ी करने वाले लोग पहचान को छुपाने और फिर से वोट डालने के लिए हाथों में लगने वाली अमिट स्याही को लगने के तुरंत बाद मतदान कर्मियों की आंख बचा कर मिटा देते थे। यह इसलिए भी हो जाता था, क्योंकि उनके हाथों में लगने वाली अमिट स्याही को अपनी छाप छोड़ने में थोड़ा वक्त लगता था। चुनाव आयोग ने इस चुनौती को समझा और इससे निपटने के लिए अमिट स्याही बनाने वाली मैसूर (कर्नाटक) की कंपनी से संपर्क साधा। जिसके बाद इसमें कुछ इस तरह का बदलाव किया गया है, इसके चलते अब यह स्याही अंगुलियों में लगने के पांच सेकेंड के भीतर ही अपनी छाप छोड़ देगी। वैसे तो यह दो सेंकेंड में ही काम –शेष पृष्ठ दो पर

अनोखी स्टोरी : 180 बच्चों का पिता होने के बावजूद अबतक नहीं मिला सच्चा प्यार

ब्रिटेन। 14 फरवरी यानि की वैलेंटाइन्स डे। इस दिन कपल और प्रेमी-प्रेमिका अपने प्यार का इजहार एक दूसरे के सामने करते हैं। हालांकि सिंग्लस के लिए यह दिन आम दिनों जैसा ही होता है। ब्रिटेन का एक शख्य 180 बच्चों का पिता है, लेकिन फिर भी अकेला है। यह खबर आपको हैरान कर देगी। आपको बताते हैं कि क्या है पूरा मामला- कहानी ब्रिटेन

की है। एक मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 52 साल *सिंगल जो* के नाम से फेमस व्यक्ति को अब तक सच्चा प्यार नहीं मिला। बता दें कि ये व्यक्ति एक स्पर्म डोनर हैं, जो संतानहीन कपल्स को बच्चे –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

शंभू बॉर्डर पर बवाल, रेलवे ट्रैक जाम करने का एलान

आक्रामक होते किसानों से निपटने के लिए सरकार में मंथन

चंडीगढ़। पंजाब की सीमा में हरियाणा पुलिस के द्वारा ड्रोन के माध्यम से आंसू गैस के गोले फेंकें जाने के मामले को लेकर पटियाला डीसी ने हरियाणा के अंबाला के डीसी और एसपी को चिट्ठी लिखकर ऐतराज दर्ज कराया है। हर पल यहां तस्वीर बदल रही है। पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर किसान लगातार डटे हुए हैं। एक तरफ जहां किसान पीछे हटने को तैयार नहीं हैं तो दूसरी तरफ हरियाणा पुलिस भी हार नहीं मान रही। पुलिस ने पूरी की पूरी बॉर्डर को सील कर रखा है। हरियाणा सरकार ने 7 जिलों अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा और डबवाली में 15 फरवरी तक इंटरनेट सेवा बंद करने का आदेश जारी किया है। पुलिस की कहना है कि किसानों के प्रदर्शन को लेकर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी और सख्त रहेगी। बता दें, प्रशासन द्वारा इस बार किसानों को प्रदर्शन के लिए हरियाणा और दिल्ली में किसी भी रूट पर आधिकारिक इजाजत नहीं दी गई है। पिछली बार किसान आंदोलन और प्रदर्शन की चुनिन्दा रूट पर इजाजत दी गई थी लेकिन किसान संगठनों ने इसका उल्लंघन किया था। किसान प्रदर्शनकारियों को पहले ही कानून व्यवस्था संबधित सारे पहलुओं की जानकारी दे दी गई है। प्रशासन का कहना है कि बावजूद इसके अलग प्रदर्शन कर रहे लोग बिना इजाजत के रूट पर आए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच, कल ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद कई किसानों को गंभीर चोटें आ गई थीं। ड्रोन के माध्यम से आंसू गैस के गोले फेंकें जाने के मामले को लेकर पटियाला डीसी ने हरियाणा के अंबाला के डीसी और एसपी को चिट्ठी लिखकर ऐतराज दर्ज कराया है। उनका कहना है कि पंजाब की सीमा में बिना अनुमति ड्रोन ना उड़ाए जाएं।

रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घूसखोरी के अलग-अलग दो मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक प्रभारी अधिकारी, ईसीएचएस, बुलंदशहर (उ.प्र.) है तो दूसरा कार्यालय अधीक्षक, एसईसीआर, नागपुर (महाराष्ट्र) है। दोनों आरोपितों को क्रमशः 80,000 रु. एवं 10,000 रु. की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। दोनों मामलों में जांच चल रही है। पहले मामले में सीबीआई ने प्रभारी अधिकारी, पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना पॉलीक्लीनिक, बुलंदशहर को 80,000 की रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया है। इस अधिकारी पर 04 अस्पतालों में संबद्ध ईसीएचएस लाभार्थियों को चिकित्सा संबंधी सेवा के सुचारू संचालन की सुविधा हेतु प्रति माह 1,00,000/- रु. रिश्वत मांगने का आरोप है।

मनी लॉन्ड्रिंग : तीन लोग गिरफ्तार

श्रीनगर (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय ने कश्मीर में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों को विशेष न्यायाधीश एसीबी (सीबीआई-मामले) कश्मीर की अदालत में पेश किया गया और कोर्ट ने तीनों को ईडी की हिरासत में भेज दिया है। एक अधिकारी ने कहा कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मोहम्मद अकबर भट, फातिमा शाह और सब्जर अहमद शेख को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि यह सभी आतंकी वित्तपोषण में शामिल थे। यह मंजूर अहमद शाह और अल्ताफ अहमद भट नाम के पाकिस्तानी आकाओं के साथ मिले हुए थे, जो जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए पाकिस्तान के कॉलेजों में एमबीबीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश की व्यवस्था करते थे।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE
:: UDALGURI :: DISTRICT :: UDALGURI ASSAM ::

The above is photograph of Kanaklata Kachari (21 Yrs.), W/O - Hriak Deka, Vill- Majgaon, PS- Tangla, Dist. - Udalguri who has been missing since 12/01/2024 from Tangla town.

This refers to Tangla PS GDE No- 21 Dtd. 12/01/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 15, Dtd. 30/01/2024

Descriptive Roll of the Missing Person :

1. Complexion : Swarthy
2. Age : 21 Yrs
3. Height : 5 Feet
4. L/Known : Assamese, Boro, Hindi
5. Wearing : White Kurta, Plazo & Black Jacket

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result thereof may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action 6026901138 (Cell Phone)

Superintendent of Police,
Udalguri, Assam

-- Janasanyog/D/17736/23

लुलू मॉल में पुलवामा शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ।14 फरवरी 2024 लखनऊ के शहीद पथ पर स्थित अत्यंत लोकप्रिय लुलू मॉल में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए बीर जवानों की याद में भव्य समारोह का जायोजन किया गया। समारोह की शुरूआत सीआरपीएफ की बैंड धुन के साथ हुआ, जिन्होंने अपने वीरता भरी धुनों से शहीदों को याद किया। इसके बाद पुलवामा के शहीदों को याद करते हुए इस दुखद घटना के बारे में जानकारी दी गयी कि 14 फरवरी 2019 को दोपहर लगभग 1515 बजे केरिपु.बल के जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले जिसमें लगभग 78 वाहनों में कुल 2500 जवान थे को जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर पुलवामा जिले के अवंतीपोरा के पास लेथपोरा में आत्मघाती हमला किया गया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवान शहीद हो गए। इस घटना को पाकिस्तान पोषित जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन से जुड़े 22 वर्षीय आत्मघाती दुर्दान्त आतंकवादी आदिल अहमद डार जो कि पुलवामा जिले के काकापोरा का एक स्थानीय कश्मीरी युवक था, ने विस्फोटक से भरी एक मोटरकार को अचानक विपरीत दिशा से लाकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले की एक बस को निशाना बनाकर उसमें टक्कर मार दी जिससे बस में सवार 40 जवान शहीद हो गए तथा कई जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें नजदीक के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आत्मघाती आतंकवादियों ने केरिपु.बल की जिस बस को निशाना बनाया वह 76 बटालियन केरिपु. बल की बस थी, जिसमें ज्यादातर कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल एवं ट्रेडमैन रैंक के जवान थे जो कि 76, 45, 176, 115, 92, 82, 75, 61, 35, 98 एवं 118 बटालियन सीआपीएफ में पदस्थ थे। इस हमले में आतंकवादियों द्वारा लगभग 300 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। आतंकवादियों द्वारा किया गया यह हमला भारत के 03 दशकों का सबसे बड़ा/भीषण आतंकवादी हमला था। इस हमले में शहीद हुए जवानों में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, जम्मू - कश्मीर, केरल, कर्नाटक एवं असम से 01-01, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाड, उड़ीसा एवं उत्तराखण्ड से 02-02, पंजाब से 04, राजस्थान से 05 तथा उत्तर प्रदेश राज्य से 12 कुल 40 जवान शहीद हुए थे। इस भीषण आतंकी हमले की निंदा विश्व के समस्त देशों द्वारा की गई। पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बड़ तथा भारतीय सेना ने इस घटना के 12 दिन के बाद ही नापाक पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी ठिकानो में एयर स्ट्राइक कर आतंकवादियों पर कहर बरपाना शुरू कर दिया जिसमें अनगिनत पाक पोषित आंतकवादियों को मौत के घाट उतारा दिया गया।

पृष्ठ एक का शेष

प्रधानमंत्री ने अबूधाबी ...

1400 नक्काशीदार छोटे स्तंभ बने हुए हैं। एक गुंबद में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, पौधे आदि तत्वों की नक्काशी के माध्यम से मानव सह-अस्तित्व और सद्भाव को दर्शाया गया है। मंदिर भारत के उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण भाग के देवता हिंदू आध्यात्मिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रकार सभी 7 तीर्थस्थलों में विभिन्न देवता होंगे - भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी भगवान शिव, पार्वतीजी, गणपतिजी, कार्तिकेयजी, भगवान जगन्नाथ, राधा-कृष्ण, श्री अक्षर-पुरुषोत्तम महाराज (भगवान स्वामीनारायण और गुणातीतानंद स्वामी) भगवान तिरूपति बालाजी और पद्मावतीजी भगवान अयप्पाजी। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में शिवपुराण और 12 ज्योतिर्लिंग उत्कीर्ण हैं। भगवान जगन्नाथ के मंदिर में, जगन्नाथ यात्रा/रथयात्रा अंकित है। भगवान कृष्ण को समर्पित इस मंदिर में भागवत और महाभारत की नक्काशी की गई है। इसी तरह, भगवान स्वामीनारायण, भगवान अयप्पा को समर्पित मंदिर में उनके जीवन, कार्य और शिक्षाओं को अंकित किया गया है। भगवान राम के मंदिर में रामायण की नक्काशी की गई है। मंदिर के आसपास की इमारतें आधुनिक और न्यूनतर हैं। मंदिर के चारों ओर पवित्र नदी की धाराएं निर्मित होती हैं। गंगा नदी मंदिर के दाहिनी ओर जा रही है। यमुना नदी मंदिर के बायीं ओर जा रही है। इन पवित्र नदियों का जल यहां लाया गया है। जहां गंगा नदी गुजरती है वहां वाराणसी जैसा घाट बनाया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर आठ मूर्तियां बनाई गईं हैं, जो आठ मूल्यों का प्रतीक हैं, यानी विश्वास की मूर्ति, दान की मूर्ति, प्रेम की मूर्ति। ये आठ मूर्तियां आठ मूल्य हैं, जिन पर हमारा सनातन धर्म आधारित है। ऐतिहासिक शख्सियतों, संतों और आचार्यों की मूर्तियां हैं, जिन्होंने इन मूल्यों को बनाए रखा है। भारतीय सभ्यता के अलावा अन्य देशों की प्राचीन सभ्यताओं का भी समावेश किया गया है- माया, एज्टेक, इजिप्शियन, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफरीकी सभ्यता शामिल है। सभा हॉल की 3000 लोगों की क्षमता हैं। इसके अलावा सामुदायिक केंद्र, प्रदर्शनियां, अध्ययन और मजलिस कक्ष हैं। मंदिर की विशेषता है कि एक मुस्लिम राजा ने एक हिंदू मंदिर के लिए भूमि दान की है। यहां मुख्य वास्तुकार कैथोलिक ईसाई है। परियोजना प्रबंधक एक सिख थे। संस्थापक डिजाइनर एक बौद्ध हैं। निर्माण कंपनी एक पारसी समूह की है और निर्देशक जैन परंपरा से आते हैं।

दुनिया को ऐसी ...

बिताए हैं और उनका सिद्धांत न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने महिला नीत विकास, भारतीय महिलाओं की वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक दशा मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने कहा कि सामजिक और वित्तीय समावेश उनकी सरकार की प्राथमिकता रहा है तथा 50 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि दुनिया को आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी हों, सभी को साथ लेकर चलें और भ्रष्टाचार से मुक्त तथा साफ-सुथरी हों। मोदी ने कहा कि एक तरफ दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही है और दूसरी तरफ पहले की सदियों की चुनौतियां तीव्र हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद अपने विभिन्न स्वरूपों में हर रोज मानवता के सामने नयी चुनौतियां ला रहा है। आज जलवायु परिवर्तन समय के साथ तेज हो रहा है। एक तरफ घरेलू चिंताएं हैं और दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था अस्त-व्यस्त दिखती है। मोदी ने कहा कि दुबई वैश्विक अर्थव्यवस्था, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का केंद्र बन रहा है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि वह दूरदृष्टि और दृढ़संकल्प वाले नेता हैं। *विश्व सरकार शिखर सम्मेलन* का आयोजन *भविष्य की सरकारों को आकार देना* विषय के तहत हो रहा है, जिसमें दुनिया भर की सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, विचारकों और निजी क्षेत्र के नेताओं के बीच संवाद शामिल है।

राज्य में कोई ...

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के दो प्रभावशाली विधायकों के आगमन का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारे लिए अच्छी खबर है। कांग्रेस के दो विधायकों ने प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान दिखाया है। वे असम सरकार और केंद्र सरकार के कार्यों का समर्थन करेंगे। इससे पहले विधायक सिद्देक अहमद और शशिकांत दास ने भाजपा सरकार का समर्थन किया था। अब चार कांग्रेस विधायक अपनी पार्टी में रहते हुए भाजपा की राज्य सरकार का समर्थन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों का आना हमें और मजबूत बनाएगा। कांग्रेस के नए नियमों के मुताबिक विधायक, आयोजनों में शामिल नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ ये दो ही नहीं बल्कि, कई विधायक हमारे संपर्क में हैं। भाजपा में शामिल होने का मुद्दा चुनाव से पहले देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे भाजपा विधायक दल की जगह बैठेंगे।

कांग्रेस के दो ...

कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष कमलाक्ष दे पुरकायस्थ ने असम विधानसभा कक्ष के बाहर संवाददाताओं के साथ बातचीत करते हुए भाजपा का समर्थन करने की पुष्टि करते हुए कहा कि वे भी कांग्रेस छोड़ देंगे और जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। कांग्रेस के इन दो ताकतवर विधायकों ने साफ कर दिया कि वे कांग्रेस में रहकर भाजपा को समर्थन देते रहेंगे। यह माना जा सकता है कि एक अच्छा अवसर आते ही दोनों विधायक भाजपा में शामिल हो जाएंगे, हालांकि वे भाजपा का समर्थन करके भाजपा का विश्वास हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों विधायकों ने यह भी स्पष्ट किया कि वे आज सदन में भाजपा का समर्थन कर रहे थे। बाद में, दोनों विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से भी मुलाकात की और विधानसभा सत्र के दौरान एक बैठक की। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी कांग्रेस विधायक सिद्देक अहमद और शशिकांत दास ने कांग्रेस में रहते हुए भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की थी। इस प्रकार, कुल चार कांग्रेस विधायकों ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया है कि वे कांग्रेस में हैं और भाजपा सरकार के काम का समर्थन करते हैं। इस घटना के बाद कांग्रेस पार्टी अब सदमे की स्थिति में है, भले ही वह खुल कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस पार्टी के एक के बाद एक विधायक और पूर्व मंत्री, वरिष्ठ नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद साफ है कि आगामी लोकसभा चुनाव में इससे कांग्रेस को बड़ा नुकसान होगा। इस बीच, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस के दोनों विधायकों के रुख का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री ने सुनाई ...

मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी एक वीडियो पोस्ट की है जिसमें वह कह रहे हैं कि एक कहानी सुनिए- जब राहुल गांधी असम आये थे, उन्होंने कांग्रेस के सारे विधायकों को अपनी आलीशान बस में बुलाकर, धमका कर कहा कि असम विधानसभा को चलने नहीं देना चाहिए। हमने भी उन्हें एक तोहफा दिया। अब कांग्रेस के विधायक सरकार का समर्थन कर सदन को शांतिपूर्ण तरीके से चलने दे रहे हैं। पिछले महीने कांग्रेस की यात्रा असम से गुजरी थी, जिसके बाद से राहुल गांधी और हिमंत शर्मा के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। एक तरफ गांधी ने बार-बार शर्मा को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार दिया। वहीं दूसरी तरफ, असम के सीएम ने कहा कि पुलिस कर्मियों पर हमला करने के लिए भीड़ को उकसाने के आरोप में कांग्रेस नेता को लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

काकचिंग में हथियारबंद ...

अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को इलाके में भेजा गया। बता दें कि पिछले वर्ष मई में सुगनू में हालात काफी गंभीर हो गए थे। पिछले साल हुई हिंसा में कई घर जल गए थे और पांच से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस वजह से सैकड़ों ग्रामीणों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे पहले मंगलवार को इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ शांतिपुर में दो समुदायों के बीच गोलीबारी में एक 25 वर्षीय ग्रामीण स्वयंसेवक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। उन्हें इंफाल के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, पूर्वी इंफाल जिले में एक अलग घटना में सेना के एक अधिकारी को गोली लग गई, जिसमें वह घायल हो गए। वह मोर्चा संभालने के लिए मौके पर जा रहे थे। तभी ये घटना हो गई। बता दें कि पिछले साल तीन मई को मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आयोजित *आदिवासी एकजुटता मार्च* के बाद भड़की जातीय हिंसा में मणिपुर में 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

आईडब्ल्यूटी टर्मिनल व ...

पर रणनीतिक दृष्टि से स्थित कालूघाट क्षेत्र के परिवहन नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण केंद्र है। विशेष रूप से रक्सौल और उत्तर बिहार के भीतरी इलाकों के माध्यम से नेपाल जाने वाले शिपमेंट के लिए यह टर्मिनल एनएच -19 तक सीधी पहुंच के साथ कार्गो आवाजाही की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में उभरा है। इसमें कंटेनर भंडारण, ट्रक पार्किंग और प्रशासन, सुविधाओं और सुरक्षा सुविधाओं जैसे आवश्यक भवनों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र हैं। कालूघाट टर्मिनल विशेष रूप से कंटेनर यातायात के लिए एसटीपी, अग्निशमन प्रणाली तथा आईटी अवसंरचना जैसी उपयोगिताओं से लैस है। इससे परिचालन की क्षमता बढ़ेगी। कालूघाट टर्मिनल हल्दिया व कोलकाता बंदरगाहों के लिए निर्बाध संपर्क की सुविधा प्रदान करेगा जिससे क्षेत्रीय व्यापार और वाणिज्य को प्रोत्साहन मिलेगा। गंडक नदी पर मंगलपुर और बेतिया में तैरते पंटून जेट्टी वाया एनडब्ल्यू -37 नेपाल और भारत को जोड़ेंगे, जिसकी लागत 3.33 करोड़ रुपए होगी। ये जेट्टी विभिन्न वस्तुओं के उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाएंगे। इसके अतिरिक्त, बिहार में एनडब्ल्यू -1 के साथ 14 स्थानों पर 17.50 करोड़ रुपए लागत के सामुदायिक जेट्टी स्थानीय किसानों और व्यापारियों को सीधे बाजार पहुंच प्रदान कराएंगे, पर्यटन को प्रोत्साहित करेंगे और रोजगार को बढ़ावा देंगे।

स्कूल में देर ...

प्राइमरी स्कूल में हुई। जानकारी के अनुसार, पूजा में बाधा डालने वालों में माकपा के कार्यकर्ता शामिल थे। इधर, जैसे ही इस मुद्दे पर विवाद शुरू हुआ, सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने मंगलवार को सार्वजनिक निर्देश निदेशक से स्कूल के अंदर पूजा आयोजित करने की खबर पर तत्काल रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बता दें कि स्कूल के अंदर आयोजित पूजा का वीडियो का सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा है कि कुछ लोग पुजारियों को घेर हुए हैं और पूजा में रुकावट डालने का प्रयास कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पुजारी धार्मिक अनुष्ठान *होमम* कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग उन्हें घेरकर नारेबाजी व विरोध प्रकट कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें रात में स्कूल परिसर में वाहन दिखा, जिसके बाद वहां पूजा होने की जानकारी मिली। इस मामले पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्कूल प्रबंधन द्वारा होमम आयोजित किया गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। इधर, सत्तारूढ़ माकपा के छात्र और युवा संगठन एसएफआई और डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध मार्च निकाला।

किसानों के भारत ...

अस्त-व्यस्त होने की प्रबल संभावना है। लांबा ने कहा, उन्होंने पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों का दौरा किया है। यह हड़ताल एतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगी। केंद्र एवं राज्य कर्मियों में सरकार के रवैए के खिलाफ भारी आक्रोश है। 16 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर कर्मचारी, मजदूर व किसान संयुक्त रूप से रैलियों एवं प्रदर्शन करेंगे। केंद्र सरकार के पुरानी पेंशन बहाली व 8वें पे कमीशन के गठन से इंकार करने से कर्मियों में भारी आक्रोश है। केंद्र एवं राज्य कर्मचारी, उक्त मांग के लिए 8 दिसंबर, 2022 से निरंतर आंदोलन कर रहे हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार, कर्मचारियों की मांगों एवं आंदोलन की अनदेखी कर रही है। लांबा ने बताया, सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करने की बजाय सरकार, पीएसयू का निजीकरण कर रही है। सरकारी विभागों का डाउन साइजिंग कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं पीएसयू में करीब एक करोड़ पद रिक्त हैं। बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार इन पदों को नियमित भर्ती से भर कर बेरोजगारों को स्थाई रोजगार नहीं दे रही। स्वीकृत रिक्त पदों के विरुद्ध भी मामूली संख्या में आउटसोर्स, दैनिक वेतनभोगी, ठेका संविदा आधार पर कर्मियों को लगाया जा रहा है। जहां न तो समान काम, समान वेतन दिया जा रहा है और न ही सेवा सुरक्षा दी जा रही है। ट्रेड यूनियन एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर निरंतर हमले किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आदेश जारी कर धरने प्रदर्शन व हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्र सरकार ने दर्जनों यूनियन एवं एसोसिएशन की मान्यता रद्द कर दी है। त्रिपुरा एवं पश्चिम बंगाल में कर्मचारियों एवं नेतृत्वकारी पदाधिकारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। बिना अपील दलील के कर्मचारियों की सेवा बर्खास्त करने वाले संविधान के अनुच्छेद 311(2) ए,बी,सी को निरस्त करने, 18 महीने के बकाया डीए-डीआर का भुगतान करने व आयकर छूट की सीमा बढ़ाने के लिए कर्मियों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। इसके अलावा महंगाई पर रोक लगाने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने, लेबर कोड्स, नेशनल एजुकेशन पालिसी व बिजली अमेंडमेंट बिल को वापस लेने आदि मांगों को हड़ताल में प्रमुखता से उठाया जा रहा है।

शहबाज शरीफ बन ...

मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन करने का फैसला किया है। पीएमएल-एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ ने देश के प्रधानमंत्री पद के लिए पार्टी अध्यक्ष और अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को नामांकित किया है। उन्होंने बताया कि पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ ने उन राजनीतिक दलों का आभार जताया है जिन्होंने आगामी सरकार बनाने में पीएमएल-एन का समर्थन किया है और उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा। अप्रैल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद प्रधानमंत्री बने शहबाज ने कहा कि अन्य दलों ने पीएमएल-एन से हाथ मिला लिया है जिसके पास चुनाव के बाद संसद में *तकरीबन दो तिहाई बहुमत* है। उन्होंने यह भी कहा कि नयी सरकार देश को मुसीबत से बाहर निकाल लाएगी। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग के अनुसार, छह दलों -पीएमएल-एन, पीपीपी, एमक्यूएम-पी, पीएमएल-क्यू, आईपीपी (इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी) और बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) द्वारा जीती गयी कुल सीटों की संख्या 152 है। इन सभी ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की अपनी योजना की घोषणा की है। यह साफ तौर पर दिखाता है कि ये दल 60 महिला और 10 अल्पसंख्यक सीट अतिरिक्त मिलने के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए आवश्यक 169 के आंकड़े को आसानी से हासिल कर लेंगे। हालांकि, यह देखना होगा कि क्या ये दल 224 के जादुई आंकड़े को हासिल कर लेंगे जो 336 सदस्यीय नेशनल असेंबली में दो तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक संख्या है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि पीएमएल-एन के लिए सबसे अच्छा विकल्प अपनी हार को *शीलनता से स्वीकार करना* और उनकी पार्टी के संस्थापक इमरान खान को देश को संकट से उबारने देना है। आठ फरवरी को हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटें जीती हैं जिसमें से अधिकतर पीटीआई द्वारा समर्थित उम्मीदवार थे।

अनोखा प्रेम : 21 साल ...

एक अलग ही ऊर्जा मिलती है। वह मानते हैं कि प्रेम भक्ति है, आराधना है। किशोर कहते हैं कि एकतरफा प्यार में अक्सर लोग जज्बाती होकर कुछ गलत कर लेते हैं। या तो वह खुद का कुछ बुरा कर लेते हैं या वह जिससे प्यार करते हैं उनकी जिंदगी बर्बाद कर देते हैं, लेकिन मैं उन सभी से कहना चाहता हूं कि प्यार सबसे पवित्र है, उसे महसूस कीजिए। जरूरी नहीं कि प्यार को अंजाम मिलेगा। हालांकि किशोर की शादी हो गई है। उनकी 3 बेटियां भी हैं। किशोर बताते हैं कि पहले जब मेरी पत्नी को पता चला कि मैं अपनी प्रेमिका का नाम लिखता हूं तो वह काफी नाराज भी हुई। फिर वह मेरा साथ देने लगी। मैं लिखने के लिए काम करने में कोताही करता था तो वह मुझे डांट लगाती थी। किशोर कहते हैं कि *रीमा* नाम में *मां* भी है और *राम* भी। एक तरह से मेरा प्यार भक्ति की तरह है। मैं नहीं चाहता था कि मेरे प्यार के बारे में लोग जाने, लेकिन एक दोस्त ने इसे मीडिया को बता दिया। फिर मेरी कहानी जानने के लिए लोग मिलने लगे।

चुनावी स्याही अब...

शुरू कर देगी। गौरतलब है कि आम चुनाव में अमिट स्याही का इस्तेमाल पहली बार 1962 में किया गया था। इसके बाद तो देश में होने वाले प्रत्येक आम चुनावों में इसका इस्तेमाल होते आ रहा है। अब तो पंचायत सहित दूसरे सभी चुनावों मेंइस अमिट स्याही का इस्तेमाल होता है। खास बात यह है कि इस अमिट स्याही को बनाने का फॉर्मूला नई दिल्ली स्थित सीएसआइआर की नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी ने खोजा था। बाद में इसको बड़े स्तर पर तैयार करने का लाइसेंस कर्नाटक स्थित मैसूर पेंट एंड वार्निश लिमिटेड (एमपीवीएल) को दिया गया। जो देश में इस बनाने वाली सिर्फ एक मात्र कंपनी है। साथ ही इसका फॉर्मूला भी इसी कंपनी के पास है। चुनाव में इस्तेमाल होने वाली इस अमिट स्याही की लोकप्रियता सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के 30 देशों में भी चुनाव के दौरान इसका इस्तेमाल होता है। जो इसे बनाने वाली कर्नाटक स्थित एक मात्र कंपनी मैसूर पेंट एंड वार्निश लिमिटेड (एमपीवीएल) से मंगाई जाती है। इनमें प्रमुख रूप से मलेशिया, कनाडा, कंबोडिया, घाना, अफगानिस्तान,आइवरी कोस्ट, तुर्किए, नाइजीरिया, पपुआ न्यूगिनी, नेपाल, सिंगापुर, दुबई, मंगोलिया, साउथ अफ्रीका, डेनमार्क आदि देश शामिल है।

अनोखी स्टोरी : 180 बच्चों ...

पैदा करने में मदद करते हैं। ब्रिटेन के अलावा अमेरिका, अर्जेंटीना, फिलिपीन्स, इटली जैसे देशों के भी कपल्स भी इनके स्पर्म का यूज कर चुके हैं। जो स्पर्म को बेचने के अलावा वो एक नेचुरल डोनर भी हैं। सिंगल जो का कहना है कि अबतक वे 200 महिलाओं के साथ रोमांस कर चुके हैं और बीते 14 सालों से वे स्पर्म डोनेशन का काम कर रहे हैं। अब तक वो 180 बच्चों के पिता बन चुके हैं। ये उनके लिए एक प्रोफेशनल काम की तरह ही है। इसलिए अभी भी वे गर्लफ्रेंड की तलाश में है। इसी वजह से हर साल वैलेंटाइन्स डे पर वो अकेले रहते हैं। लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्होंने कई संतानहीन कपल्स की माता-पिता बनने में मदद की है।

टीएमसी अब तालिबानी ...

वाली पार्टी बन गई है। मां, माटी और मानुष की जगह बम, बंद और बलात्कारियों ने ले ली है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि शाहजहां शेख ने युवतियों का व्यवस्थित यौन शोषण रैकेट चलाया है। विशेष रूप से कमजोर समुदायों और जनजातीय समुदाय की महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। जो लोग इस अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, उनके साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है, चाहे वह सुकांत मजूमदार हों, हमारे कार्यकर्ता हों या प्रदर्शनकारी हों। पश्चिम बंगाल की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा गई है।

हम अपने सैन्य ...

खुश हैं... घर आकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह और उनके सहयोगी केवल अपने रक्षा प्रशिक्षण के कारण जीवित बचे हैं। कतर द्वारा मौत की सजा मिलन और भारत सरकार के दखल के बाद मौत की सजा का आजीवन कारावास और फिर वतन वापसी होना यह आठों नौसेना के अधिकारीयों के लिए किसी सपने से कम नहीं है। जहां दो दिन पहले सात अन्य पूर्व नौसेना कर्मियों के साथ कतर द्वारा रिहा कर दिया गया था, वहीं अब सभी अधिकारी अपने परिवार से मिल कर खुशी जता रहे हैं तो दूसरी तरफ सरकार का शुक्रिया अदा भी कर रहें हैं। गोपाकुमार सोमवार को केरल की राजधानी से 16 किमी दूर स्थित उपनगर बलरामपुरम पहुंचे और रोते हुए अपने परिवार के सदस्यों को गले लगाया। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए पूर्व नौसेना कर्मी ने कहा कि जेल और कारावास कुछ भयानक है। पूर्व नौसेना अधिकारी ने अपनी रिहाई का सारा श्रेय अपने परिवार की प्रार्थनाओं और केंद्र सरकार के प्रयासों को दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भरपूर प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप के कारण ही उनकी रिहाई संभव हो सकी। गोपाकुमार ने कहा कि उन सभी को उम्मीद थी कि *अगर मोदीजी हस्तक्षेप करेंगे* तो वे जेल से बाहर आ जाएंगे, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसमें कितना समय लगेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा करेंगे श्याम गांव का दौरा

गोलाघाट (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भाजपा के *गांव चलो* अभियान के तहत आज सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र में 1919 में स्थापित राजापुखुरी श्याम गांव का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री श्याम गांव निवासी भास्कर श्याम गोहाई के आवास पर रात बिताएंगे, जहां कुल 93 बौद्ध परिवारों के 418 लोग रहते हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार का जमीनी स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए *गांव चलो अभियान* आरंभ किया है। इसी कड़ी में आज राजापुखुरी आएंगे। यह कदम ग्रामीणों के साथ भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के साथ लोगों के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए नई गति प्रदान करेगा। असम-नगालैंड सीमा पर उरियामघाट

इलाके में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद भाजपा कार्यकर्ता दोपहर बाद बाइक रैली के जरिए मुख्यमंत्री का राजापुखुरी गांव में स्वागत करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री राजापुखुरी बौद्ध विहार के परिसर में ग्रामीणों, एकत्रित वरिष्ठ नागरिकों, सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ-साथ आहोम, सुतिया, बोड़ो, गोरखा और आदिवासी छात्र संगठनों के स्थानीय नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना प्राप्त करने वाले लाभार्थी ज्योति श्याम के आवास का दौरा करेंगे। शाम को राजापुखुरी श्याम गांव के बौद्ध विहार लौटकर प्रदेश के लोगों की सलामती के लिए प्रार्थना सभा में हिस्सा लेकर रात बिताने के लिए गांव के भास्कर श्याम गोहाई के निवास के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शाम को राजापुखुरी श्याम गांव का दौरा करेंगे और रात में गांव के 10 लोगों के साथ डिनर करेंगे।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत व दो घायल

जोरहाट (हिंस)। जिले के टियक में सरस्वती पूजा के दिन दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें जोरहाट मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है। दुर्घटना में टियक के तेलिया गांव निवासी ध्रुव दास, विकास हजारिका और अपूर्वा चांगमाई गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को टियक के एफआरयू अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर ने ध्रुव दास को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल विकास हजारिका और अपूर्वा चांगमाई को जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

भाजपा ने कोकराझाड़ संसदीय क्षेत्र में शुरू किया चुनाव कार्यालय

कोकराझाड़ (हिंस)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को सरस्वती पूजा के दिन कोकराझाड़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया गया। असम के मंत्री रंजीत दास ने इस कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री रंजीत दास ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व और केंद्रीय भाजपा कमेटी गठबंधन के उम्मीदवार पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि हम किसी फैसले का इंतजार नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय समिति जिसे भी अपना उम्मीदवार घोषित करेगी, वह हमारा उम्मीदवार है। हमारा उम्मीदवार बड़े अंतर से चुनाव में जीतेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता माइक्रो लेवल पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बीटीआर में शांति बहाल किया है। आज हर कोई मोदी को तीसरी बार

प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट करेगा। मंत्री दास ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा प्रगति के लिए काम कर रहे हैं। हर कोई उन्हें देखकर वोट देगा। भाजपा में *बोड़ो-अबोड़ो* का कोई विभेद भाजपा में नहीं है, हम सभी भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 18 फरवरी और 25 फरवरी को भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक होगी। रंजीत दास ने चुनाव कार्यालय खुलने के तुरंत बाद यूपीपीएल कार्यालय में आयोजित एक बैठक में भी भाग लिया। इसके बाद मंत्री रंजीत दास ने कोकराझाड़ के गेस्ट हाऊस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लिया।

ट्रक से डेढ़ करोड़ रुपए की फेंसिडिल जब्त

बाजारीचरा (हिंस)। करीमगंज जिले के बजरीछड़ा पुलिस ने असम-त्रिपुरा अंतरराज्यीय सीमावर्ती चुराईबाड़ी से डेढ़ करोड़ रुपए की अवैध रूप से ले जाई जा रही फेंसिडिल जब्त की है। पुलिस को चकमा देकर ट्रक ड्राइवर और खलासी फरार हो गए। करीमगंज जिले के बजरीछड़ा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत असम-त्रिपुरा अंतरराज्यीय सीमावर्ती चुराईबाड़ी से फेंसिडिल को बरामद किया गया। हालांकि, पुलिस को चकमा देकर मादक पदार्थ की तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ट्रक के ड्राइवर और खलासी फरार हो गये। चुराईबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी प्रणब मिली ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस ने एक सूचना पर स्टोन चिप्स ले जा रहे एक 16 पहिया ट्रक को रोक लिया। पुलिस ने ट्रक में लदे स्टोन चिप्स को हटाकर उसके नीचे से174 कार्टून कफ प्रतिबंधित सिरप बरामद किया। इन कार्टूनों से 17 हजार 800 शीशी फेंसिडिल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक और खलासी मौके पर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए।

सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का भाजपा आरटीआई सेल ने लगाया आरोप

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिला के भाजपा आरटीआई सेल ने आरोप लगाया है कि तिरप जिले में बिना सत्यापन के सार्वजनिक धन के लाखों रुपए का दुरुपयोग किया गया है। ये बातें आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, तिरप जिला भाजपा आरटीआई सेल के अध्यक्ष लैंगवांग सुमपा ने कहीं। उन्होंने आरोप लगाया है कि स्थानीय विधायक, ठेकेदारों और विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक धन के लाखों रुपए का दुरुपयोग किया गया है। बिलों की जांच किए बिना पूरी राशि निकाल ली गई है। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की जानकारी मिलने के बाद हमने उस स्थान का दौरा किया और पाया कि सभी सार्वजनिक आरोप सही हैं और लाखों रुपए सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। हमने आरटीआई के माध्यम से जानकारी भी एकत्र की। मामले के बारे में

विस्तार से बताते हुए सुपमा ने दावा किया कि 2022-23 में ठेकेदारों द्वारा विधायक निधि के तहत कुल 45 लाख रुपए निकाले गए हैं। एमस डब्ल्यूएम ट्रेडर्स द्वारा बिना किसी भौतिक कार्य के हाहम जिन जू कॉलोनी खेती गांव में भूमि विकास कार्य के नाम पर संबंधित ठेकेदारों ने दस-दस लाख रुपए निकाल लिये। वहीं राजकीय प्राथमिक विद्यालय हुआकन में दो कक्षाओं के नवीनीकरण कार्य और डाडम गांव में कमलेश जोशी स्टेडियम में वीआईपी गैलरी के नवीनीकरण कार्य के लिए क्रमश: 10 लाख रुपए और 15 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई और सभी धनराशि बिना किसी काम किए निकल लिया गया है। एसआईडीएफ योजना में जनरल मोक्टावा से समिट कॉलोनी तक एप्रोच रोड बनाने के नाम पर 80 लाख रुपए से अधिक का दुरुपयोग किया गया है। वर्ष 2021-22 में आरडब्ल्यूडी विभाग के माध्यम से 40 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे और वर्ष 2021-22 में- डब्ल्यूआरडी द्वारा दादम गांव में चेनलोथम एमआईसी के लिए 45 लाख स्वीकृत किए गए थे और ठेकेदार द्वारा विभाग के अधिकारियों की मदद से बिना किसी कार्य किए सभी स्वीकृत धन निकाल लिए गए हैं। जबकि, विधायक एलएडी निधि पूरी तरह से विधायक के निर्देशों के तहत स्वीकृत और उपयोग की गई है, हालांकि, स्थानीय विधायक द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि हमने मामले की जांच की मांग करते हुए स्थानीय विधायक, अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ विशेष जांच सेल (एसआईसी), इटानगर में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में केंद्र और राज्य सरकार जिले के लिए पर्याप्त धनराशि दे रही है लेकिन अधिकारी, विधायक और ठेकेदार हमारे सार्वजनिक धन का दुरुपयोग कर रहे हैं।

बाइहाटा चाराली में अवैध रूप से तस्करी किए गए मवेशी जब्त

कामरूप (हिंस)। सरकार द्वारा गोरक्षा के मद्देनजर कानून बनाए जाने के बाद भी लोगों का एक वर्ग कानून को ठेंगा दिखाकर अवैध रूप से गौधन की तस्करी कर रहा है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कामरूप जिले के बाइहाटा चाराली के थाना प्रभारी सुमित महतो ने बीती रात फिर से एक ट्रक (एएस-01एनसी-7335) जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक से 27 मवेशियों को बरामद किया गया। सूत्रों ने बताया है कि एक दिन पहले भी 51 गायों को बरामद करने के साथ ही दो ट्रकों (एएस-07एसी-6252 और एएस-25ईसी-3493) को जब्त कर सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जिन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वाहन चालक ने पूछताछ में बताया है कि वह मवेशियों को खारुपेटिया से बर्नीहाट तक तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। ड्राइवर ने गोधन की तस्करी के मास्टर माइंड के रूप में खारुपेटिया निवासी गोलाप हुसैन का उल्लेख किया है।

काजी नींबू राज्य फल घोषित होने से किसान उत्साहित

बाक्सा/जोरहाट (हिंस)। असम सरकार के काजी नींबू को राज्य फल घोषित करने से पूरे राज्य में खुशी की लहर है। सरकार की इस घोषणा से खुश बाक्सा जिले के किसानों ने राज्य सरकार और राज्य के कृषि मंत्री अतुल बोरा को धन्यवाद दिया है। दरअसल, बाक्सा जिले के सालबाड़ी उपखंड के सत्तर प्रतिशत लोग नींबू की खेती से जुड़े हैं। सालबाड़ी क्षेत्र के किसान राज्य के विभिन्न हिस्सों में नींबू का निर्यात करके अपना जीवनयापन कर रहे हैं। यहां के नींबू की मांग लंदन तक बढ़ी है लेकिन इलाके में कोल्ड स्टोर न होने से किसानों को परेशानियों को सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने चुनाव प्रचार के दौरान इलाके में कोल्ड स्टोरेज बनाने का वादा किया था। अब बाक्सा के सालबाड़ी में नींबू के उत्पादन से जुड़े किसानों ने कोल्ड स्टोरेज बनाने संबंधी वादा याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री से पूरा करने की मांग की है। वहीं, ऊपरी असम के जोरहाट के किसानों में भी काजी नींबू को राज्य फल घोषित को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस संबंध में लिए गए फैसले के बारे में कृषि मंत्री अतुल बोरा की सदन में घोषणा से नींबू की खेती से जुड़े किसानों में उम्मीद जगी है। सरकार की घोषणा के बाद काजी नींबू की खेती से जुड़े किसान दिगंत सुतिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए राज्य सरकार की प्रशंसा की है। उल्लेखनीय है कि काजी नींबू को पहले जीआई टैग मिलने के बाद मंगलवार को राज्य सरकार ने काजी नींबू को राज्य फल घोषित कर दिया है।

प्राचुर्य किरण डेका को जिज्ञास प्रतिभा खोज परीक्षा में मिला द्वितीय स्थान

रंगिया (विभास)। हाल ही में घोषित जिज्ञास प्रतिभा खोज परीक्षा (जेटीएसई)-2023 की कक्षा-4 के परिणामों में सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल (माजगांव) की कक्षा-4 के छात्र प्राचुर्य किरण डेका ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर समूचे असम के भीतर द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने गांव तथा समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राचुर्य किरण डेका साहान निवासी चंदनमनी डेका एवं सेवाली तालुकदार का एकमात्र पुत्र है। उसकी इस उपलब्धि पर समूचा अंचल उत्फुलित है।

छह देशों के विशेषज्ञ कौशल बैठकों में भाग लेंगे

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री आज डिजिटल शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसमें कम से कम छह देशों के विचारक नेता और शिक्षक और कुछ शीर्ष आईटी कंपनियों के प्रमुख और नीति निर्माता 1000 से अधिक प्रमुख प्रतिभागियों शामिल होंगे, यहां दो बैक-टू-बैक भविष्य के कौशल सम्मेलनों में एक साथ विचार-मंथन करेंगे, जो नए अवसरों के उद्भव को उजागर करने का प्रयास करेंगे। भारत को तकनीकी रूप से उन्नत भविष्य में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर युवाओं के लिए अगली पीढ़ी की अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करना। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और द्वितीय, कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर कल गुवाहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले एक दिवसीय डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। शिखर सम्मेलन - पूर्वोत्तर में आयोजित होने वाला पहला ऐसा आयोजन है, जहां- नए युग के उद्योग की जरूरतों के अनुरूप डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चर्चा, अंतर्दृष्टि और सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। नेशनल

इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. वाई. जयंत सिंह और नेलिट के कार्यकारी निदेशक शुभांशु ने कहा कि यह भारत के भविष्य को आकार देने में डिजिटल कौशल की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करेगा, जिसका लक्ष्य देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज में बदलना है। नाइलिट के महानिदेशक के कार्यकारी निदेशक और ओएसडी सुभांशु तिवारी ने कहा शिखर सम्मेलन में चार प्रमुख विषयों - साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकॉन और भविष्य के कौशल पर पैनल चर्चा होगी। 1000 से अधिक प्रमुख उपस्थित लोग शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे और चार वैश्विक वक्ताओं सहित 25 से अधिक तारकीय वक्ताओं की अंतर्दृष्टि सुनेंगे। प्रतिभागी 30 से अधिक नवीन प्रदर्शनियों का भी पता लगाएंगे - उनमें से आधे पूर्वोत्तर से - और इंटेल, एचसीएल, माइक्रोसॉफ्ट, किंड्रिल, आईआईएम रायपुर, आईआईटीएम ग्वालियर, विप्रो आदि के साथ तीन दर्जन रणनीतिक सहयोग करेंगे। 16 और 17 फरवरी को संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन -एनआईसीईडीटी-2024, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) द्वारा आयोजित किया जाने वाला दूसरा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन है, जो पूर्वोत्तर में पहला है। यह सम्मेलन सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में हालिया अनुसंधान और विकास को पूरा करेगा। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग के पेशेवरों और उत्साही छात्रों को शामिल करने वाले दर्शकों और प्रतिभागियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह दो दिवसीय सम्मेलन आईईसीटी और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के निष्कर्षों को साझा करने पर केंद्रित होगा। यह दुनिया भर के उद्योग पेशेवरों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए अपने विचार साझा करने और विभिन्न ट्रैक के तहत अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए एक आदर्श मंच होगा। सिंह ने कहा कि दो बैठकों का उद्देश्य भविष्य की कौशल आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करना और क्षेत्र के लिए एक रोडमैप तैयार करना होगा। कंपनियां अपनी नौकरी की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी सीखेंगी।

शिक्षण संस्थानों समेत कई क्लबों व संगठनों ने हर्षोल्लास से मनाया सरस्वती पूजा

गुवाहाटी (विभास)। सरस्वती पूजा आयोजन में हर साल अपनी प्रदर्शनी को लेकर लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहने वाला छत्रीबाडी स्थित अजीतसरिया छात्र निवास में इस वर्ष भी दो आकषर्णीय थीम पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। छात्रों ने विधि पूर्वक सरस्वती पूजा, हवन एवं आरती की। इस अवसर पर पूजा व्यवस्था समिति के प्रमुख ओम जैन और गौरव माहेश्वरी ने बताया कि इस वर्ष प्रथम तल्ले एवं द्वितीय तल्ले में दो अलग-अलग थीम की प्रदर्शनी लगाई गई है। नीचे के तल्ले में आज वैलेंटाइन डे को ध्यान में रखते हुए बड़े आकार में दिल का चिन्ह बनाया गया एवं राधा कृष्ण और सीता राम के प्रेम को दर्शाया गया। जबकि ऊपर के तल्ले में भारत के पांच आश्चर्य जनक विषयों को विस्तृत रूप से दर्शाया गया। जिनमें कैलाश पर्वत, दक्षिण भारत का पद्मनाभ मंदिर, केदारनाथ मंदिर, कुलधरा गांव, और जगन्नाथ पुरी मंदिर के कई आश्चर्य जनक तत्वों को दर्शाया गया। जिसे श्रद्धालुओं ने देख कर काफी सराहना की। छात्र निवास की प्रदर्शनी आगंतुओं के बीच में आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस अवसर पर अजीजसरीया छात्र निवास के हॉस्टल इंचार्ज निखिल अग्रवाल, अधीक्षक अजय अग्रवाल, पूजा समिति के सह व्यवस्थापक निखिल सरावगी के अलावा सभी छात्रों ने अपना सहयोग दिया। **फ्रेंड्स क्लब** की ओर से फ्रेंड्स क्लब के सदस्यों के बच्चों ने फैंसी बाजार के शनि मंदिर चौराहे पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया। इस वर्ष सरस्वती पूजा का स्वरूप आदिवासियों की कुलदेवी कनतारा के रूप में दर्शाया गया। इस अवसर पर विनायक शर्मा, आदित्य शर्मा, मानस शर्मा, अमित सरावगी और अभय शर्मा ने पूजा अर्चना कर मां सरस्वती की आरती उतारी। **एलओजी स्कूल** से मिली जानकारी के अनुसार फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड स्थित लालचंद ओंकारमल गोयंका हाई स्कूल में छात्रों ने सरस्वती पूजा मनाई। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक संजू दास और माला दास ने बताया कि इस विद्यालय में लगातार 50 सालों से सरस्वती पूजा मनाई जा रही है। इस वर्ष भी स्कूल के छात्र संसद ने धूमधाम से सरस्वती पूजा मनाई। आरती के पश्चात छात्रों के बीच में खिचड़ी का महाप्रसाद वितरित किया गया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य के सभी शिक्षण संस्थान के साथ विश्वनाथ जिले के भी शिक्षण संस्थान में सरस्वती पूजा हर्षोल्लास व भव्यता के साथ मनाया गया। विश्वनाथ चारिआलि के सबसे प्रतिष्ठित तथा चारिआलि आदर्श विद्यापीठ में सर्वप्रथम आज बसंत पंचमी शुभ अवसर पर विद्यालय कक्ष में पुजारी ने मां शारदा का मूर्ति व कलश स्थापना किया। विद्यालय के पूजा सर्वप्रथम गणेश वंदना से पूजा का शुभारंभ किया। विद्या के आराध्य देवी सरस्वती पूजा का आयोजन भव्य में हुआ, जिसमें विद्यार्थी सरस्वती मां की पूजा अर्चना करते हुए आशीष ली। इसके बाद मां शारदा के मंत्रोच्चारण करते हुए हवन का आयोजित किया गया। यज्ञ के बाद विद्यार्थी व शिक्षक ने मां सरस्वती के श्रीचरण पुष्पांजलि अर्पित किया गया। विद्यार्थी मां सरस्वती की श्री चरण में प्रार्थना की तथा भव्य आरती हुआ। तत्पश्चात विद्यार्थी के मस्तक पर तिलक लगाया और प्रसाद वितरण किया गया। संस्थान में विद्यार्थी के मुख मंडल पर खुशी और उत्साह छाया रहा। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापिका बबीता हजारिका, सहायक शिक्षक विद्युत बोड़ो, कंकन बरा, शिक्षिका बबी हाजरिका, बीभा रानी भूइयां, रूपाली शइकीया, अन्य शिक्षक -शिक्षिका, सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परेश भूमिज, चतुर्थ वर्ग कर्मचारी, प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक, छात्र - छात्रा और कर्मचारी मौजूद थे। इधर विश्वनाथ जिले असम -अरुणाचलवर्ती क्षेत्र डफलागढ़ में महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा विद्यालय और विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रीय विद्यालय कोसगांव, प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श विद्यालय में भी सरस्वती पूजा का रौनक छाया रहा।

संपादकीया

पानी पर टकराव

इस योजना का मकसद पवित्र है, लेकिन मंजिल को लेकर विवाद के कई घाट अली खड्ड के संगम पर बन गए हैं। जल आपूर्ति योजना के नाक में दम करना एक तरफ बिलासपुर जिला का न्याय है, तो दूसरी तरफ सार्वजनिक व्यय की तमाम मंजूरियां सोलन की प्यास बुझाना चाहती हैं। जाहिर है अली खड्ड पीछे कहीं से तो आती होगी और आगे भी जाती होगी। कितनी सदियां पूर्व अली खड्ड बनी या खड्ड अली हो गई, इसे न तो मौजूदा टकराव जानता है और न ही जल शक्ति विभाग के लक्ष्य जानते होंगे। यह मामला प्राकृतिक स्रोतों से जलापूर्ति को सुदृढ़ करने का है और एक राज्य की तस्वीर में आगे बढने का भी है। यह वही राज्य है जिसने भाखड़ा बांध परियोजना से उत्तर भारत के खेतों की हर जरूरत को पानी दिया, तो पौंग बांध के माध्यम से राजस्थान की रेत को हरियाली सौंप दी। हिमाचल की बड़ी बांध परियोजनाओं ने देश को सर्वस्व सौंपा है, तो रेणुका बांध अब दिल्ली की जनता को भरपूर पानी पिलाएगा। कहना न होगा कि जो राज्य देश की जनता के सुकून में अपने योगदान को हमेशा अव्वल रखता आया, आज उसके भीतर बिलासपुर बनाम सोलन के बीच अली खड्ड और उसका पानी आ गया। अविरल धाराओं से कहीं अधिक तेजी से आपसी सौहार्द की धारा कुंद हो रही है, तो यह पूछना और समझना होगा कि इस परियोजना के आरपार दो जिला और विधानसभा क्षेत्र क्यों खड़े हो गए। दरअसल खड्ड से उठाकर पानी को पड़ोसी अर्की विधानसभा क्षेत्र तक ले जाया जाएगा, ताकि अपने ही प्रदेश की हिमाचली जनता की प्यास बुझे। वहां के ईंट-पत्थर मेहनत करते हुए उन बूंदों से अमृत पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कभी इसी खड्ड से निकलीं अनेक जल परियोजनाओं के सिंहासन भी यहीं बिछे हैं। यानी तकरीबन दो से ढाई दर्जन जलापूर्ति व सिंचाई परियोजनाएं जहां से बिलासपुर व नयनादेवी विधानसभा क्षेत्रों को तृप्त करती थीं, लगभग वहीं सोलन की प्यास बुझाने का अमृत कलश भरा जा रहा है। इसका वैज्ञानिक आधार, जल शक्ति विभाग की पड़ताल और प्रदेश की जलापूर्ति का समाधान होता दिखाई दे, तो भी परिवेश और पर्यावरण के सवाल पर योजनाओं का यह अर्थ नहीं हो जाता कि कहीं भी आसानी से दोहन किया जाए। अंततः खड्ड को खड्ड की तरह बहने की शक्ति भी तो बचनी चाहिए। जल शक्ति विभाग की योजनाएं अक्सर उसी मिट्टी को खोदना चाहती हैं, जहां से पहले भी कुछ हासिल हुआ। पिछले तीन दशकों से हमारे प्रयोग पानी के सरल मुहाने या भूमिगत पानी के दोहन को सिर्फ मांग की आपूर्ति के नजरिए से देख रहे हैं। आज हिमाचल के लिए भी जलापूर्ति के नए आधार और संकल्प चाहिए। हमें बरसात में अनावश्यक रूप से बहते पानी का कहीं तो अलग से संग्रहण करना चाहिए, ताकि एक बड़े क्षेत्र की मांग पूरी हो सके। पूरे हिमाचल के जलस्रोतों पर आधारित परियोजनाओं को अब नए सिरे से सुदृढ़ करते हुए उचित जल प्रबंधन के लिए अलग से बांध या सुरंग के जरिए एक नदी से दूसरी नदी या खड्ड तक समाधान ढूंढने होंगे। हर विद्युत परियोजना अपने उत्पादन से केवल बिजली का प्रबंध करे, इससे कहीं आगे अब इन्हें जलापूर्ति व सिंचाई व्यवस्था से भी जोडना होगा। अली खड्ड सर्वप्रथम राज्य की मिलकीयत है और इसके उपयोग की वैज्ञानिक व पर्यावरणीय शर्तों के तहत व आपसी सहमति के जरिए ऐसी परियोजना बनानी चाहिए जो खड्ड और जनता के हलक तक पानी बरकरार रखे। ऐसी परियोजनाएं नहीं चाहिएं जो खड्डों, जलप्रपातों या अन्य स्रोतों को सुखा दें। यहां धर्मशाला के वाटरफॉल से पहले नदी के पानी को जिस तरह एक सैन्य छावनी चूस रही है, उससे इसके अस्तित्व पर प्रश्न चस्पां हो गया है। ऐसे में अली खड्ड के पानी पर सर्वप्रथम उसी का हक है और इसी से जनता की प्यास बुझाने के लिए ऐसी अधोसंरचना व योजना बनानी होगी जो पहले से चल रही परियोजनाओं के लिए खतरा न बने, बल्कि बंटवारे के साथ न्याय की गारंटी का माहौल बनाना होगा।

> जल आपूर्ति योजना के नाक में दम करना एक तरफ बिलासपुर जिला का न्याय है, तो दूसरी तरफ सार्वजनिक व्यय की तमाम मंजूरियां सोलन की प्यास बुझाना चाहती हैं। जाहिर है अली खड्ड पीछे कहीं से तो आती होगी और आगे भी जाती होगी। कितनी सदियां पूर्व अली खड्ड बनी या खड्ड अली हो गई, इसे न तो मौजूदा टकराव जानता है और न ही जल शक्ति विभाग के लक्ष्य जानते होंगे। यह मामला प्राकृतिक स्रोतों से जलापूर्ति को सुदृढ़ करने का है और एक राज्य की तस्वीर में आगे बढ़ने का भी है। यह वही राज्य है जिसने भाखड़ा बांध परियोजना से उत्तर भारत के खेतों की हर जरूरत को पानी दिया, तो पौंग बांध के माध्यम से राजस्थान की रेत को हरियाली सौंप दी। हिमाचल की बड़ी बांध परियोजनाओं ने देश को सर्वस्व सौंपा है, तो रेणुका बांध अब दिल्ली की जनता को भरपूर पानी पिलाएगा। कहना न होगा कि जो राज्य देश की जनता के सुकून में अपने योगदान को हमेशा अव्वल रखता आया, आज उसके भीतर बिलासपुर बनाम सोलन के बीच अली खड्ड और उसका पानी आ गया।

किसानों की भलाई सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है

किसानों की मांगों पर सहानुभूति से विचार हो

डा. अमरीक ठाकुर

> किसानों को सशक्त बनाना व उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री की ग्रामीण भारत की बेहतरी के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता है, जो भारत की अधिकांश आबादी को सशक्त बनाने और किसान समुदायों के उत्थान के लिए समर्पित हैं। समावेशी विकास पर एक मजबूत ध्यान देने के साथ, उनकी नीतियों और कार्यक्रमों को ग्रामीण और शहरी भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत प्रतिबद्धता में से एक किसानों का सशक्तिकरण है। किसानों को सशक्त बनाना व उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री की ग्रामीण भारत की बेहतरी के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता है, जो भारत की अधिकांश आबादी को सशक्त बनाने और किसान समुदायों के उत्थान के लिए समर्पित हैं। समावेशी विकास पर एक मजबूत ध्यान देने के साथ, उनकी नीतियों और कार्यक्रमों को ग्रामीण और शहरी भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और नीम-लेपित यूरिया उर्वरक को बढ़ावा देने जैसी पहलों को लागू करके, मोदी ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों की भलाई सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की खाद्य टोकरी में विविधता लाने और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया है। बाजरा लचीला, पौष्टिक और जलवायु-स्मार्ट फसलें होने के नाते, खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने और किसानों की आजीविका में सुधार करने की क्षमता रखती हैं। इस पहल का उद्देश्य बाजरा की खेती, खपत और व्यावसायीकरण को पुनर्जीवित करना है, जो अंततः किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभान्वित करता है। श्री अन्न वर्ष 2023 जैसी पहलों के माध्यम से, श्री अन्न की खेती के लिए किसानों को बहुत मशक्कत नहीं करनी पड़ती। धान के मुकाबले मोटे अनाज की खेती में पानी की खपत कम होती है। यूरिया और दूसरे रसायनों की जरूरत नहीं पड़ती है। इसकी खेती पर्यावरण के लिए भी बेहतर है।

पिछले कुछ सालों की तरह अगर दुनिया में यूं ही श्री अन्न की मांग बढ़ती है तो किसान कम लागत पर ज्यादा फायदा देने वाली फसल की पैदावार को और बढ़ा सकेंगे। भारत में उगाए जाने वाले मोटे अनाजों में पर्ल मिलेट, ज्वार, फिंगर मिलेट और प्रोसो मिलेट, कोदो मिलेट, छोटा मिलेट, कंगनी मिलेट, ब्राउनटॉप मिलेट, बार्नयार्ड मिलेट, चौलाई और बकवीट जैसे गौण श्री अन्न शामिल हैं। भारत में मोटा अनाज खाने की परंपरा रही है। यह इनसान को सेहतमंद रखता है। भारत यही परंपरा अब दुनिया तक पहुंचाना चाहता है। पीएम मोदी ने मोटे अनाज को बढ़ावा देने की बात कही। हाल में मन की बात में भी उन्होंने

इसका जिक्र किया है। सरकार की पहल के तहत ही संसद की कैंटीन में भी मोटे अनाज से बने व्यंजनों की शुरुआत हुई है। कैंटीन में देश के अलग-अलग इलाकों में फेमस मोटे अनाज से बने व्यंजन को खाने की सूची में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, इस साल भारत में आयोजित होने वाले जी-20 कार्यक्रम में मोटे अनाज से बने पकवानों को विदेशी मेहमानों और वल्ड लीडर्स के सामने पेश किया है। भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। दुनिया भर में बाजरा को लोकप्रिय बनाने में भारत सबसे आगे रहा है। वेबएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, मोटा अनाज मोटापा, दिल की बीमारियां, टाइप-2 डायबिटीज और कैंसर का खतरा घटाता है। यह बॉडी में ऐसे बैक्टीरिया की संख्या को बढ़ाता है जो आंतों की सेहत दुरुस्त रखते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है इसमें मौजूद फाइबर और पोषक तत्व।

यही वजह है कि मोटे अनाज को सुपर फूड भी कहते हैं। मोटे अनाज में फाइबर के साथ विटामिन-बी, फोलेट, जिंक, आयरन, मैग्नीशियम, आयरन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने, वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया है। किसान समुदायों की आबादी के बीच आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने किसान समुदायों की आबादी में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। देश भर के किसानों का उत्थान किया है। उनके समर्पित फोकस के परिणामस्वरूप कई प्रभावशाली पहल हुई हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने औपचारिक ऋण तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है, जिससे ग्रामीण उद्यमियों को अपने व्यवसाय को स्थापित करने और विस्तार करने में सक्षम बनाया गया है। इससे ग्रामीण समुदायों की जीवन स्थितियों में काफी सुधार हुआ है। पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम कृषि सिंचाई योजना और पीएम फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से किसान कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता स्पष्ट है। इन कार्यक्रमों ने क्रमशः वित्तीय सहायता, सिंचाई के बुनियादी ढांचे में वृद्धि और फसल बीमा प्रदान किया है, जिससे किसानों की भलाई और समृद्धि सुनिश्चित हुई है। ग्रामीण भारत की बेहतरी के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने सकारात्मक बदलाव लाया हैं। अच्छी तरह से परिभाषित नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से मोदी ने किसान समुदाय के उत्थान और ग्रामीण और शहरी भारत की नींव को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किया है जिनका लाखों भारतीयों के जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। मोदी ने कई किसान-केंद्रित नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का उद्देश्य सिंचाई के बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से कृषि गतिविधियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को फसल विफलताओं और प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए फसल बीमा प्रदान करती है जिससे उन्हें वित्तीय सुरक्षा मिलती है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना छोटे और सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने टिकाऊ कृषि प्रथाओं और ग्रामीण विकास के महत्व पर भी जोर दिया है। नीम-लेपित यूरिया उर्वरक को बढ़ावा देने जैसी पहलों ने मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार किया है और कृषि के पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया है। जन-धन योजना ने ग्रामीण आबादी को बैंकिंग सेवाओं और किफायती बीमा तक पहुंच प्रदान करके वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया है। इसके बावजूद कहा जा रहा है कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। फिर से किसान आंदोलित हैं। उनकी मांगों पर सहानुभूति से विचार होना चाहिए।

दृष्टि कोण

विश्व की आस्था का केंद्र हैं राम, आखिर क्यों अलग हैं 'तुलसी के राम'

तुलसीदास भक्त कवि थे और रामकथा को देखने और उसे बुनने की उनकी दृष्टि भी एक भक्त की थी। तुलसी के राम पर जब भी बात की जाती है तो हमें उनका प्रवेश भी स्मरण रखना चाहिए। क्योंकि कोई भी कृति अपने समय काल परिवेश से विलग नहीं होती है उसका आरम्भ ही अपने प्रवेश के सामाजिक, राजनैतिक घटनाक्रम के कारण होता है। ऐसे में तुलसी के राम को कैसे उनके मध्यकालीन सामाजिक बोध और लोकाचार से अलग किया जा सकता है? हमारे लोक में कथाओं का अथाह संसार विराजमान है। मगर उसमें से कुछ ही कथाएं वैश्विक स्वरूप धारण कर पाती है। उन्हीं में से एक तुलसीदास के राम है। जो भारतीय संस्कृति और लोक में इतनी गहराई से रच बस गए हैं कि उन्हें विलग नहीं किया जा सकता है। तुलसीदास के राम मात्र एक चरित्र नहीं है, वह सृष्टि के व्यवस्थापक है। सगुण और दोनों ही रूपों में विराजमान है। वह ब्रह्म भी है और मानव भी। वह संपूर्ण कलाओं में दक्ष, राजनीतिज्ञ, कूटनीतिज्ञ, समाजसुधारक, नारी सम्मान के रक्षक, पिता के वचनों के रक्षक है, निर्भीक, संरक्षक, खल संहारक है, प्रज्ञा हितैषी है, नीति-निपुण शासक है। तुलसी के राम लोकरंजक और रक्षक है। वह सामान्य लोक-जीवन की प्रेरणा का स्रोत है। 'सम भाव सदा वैभव विपदा तथा नहीं राग न लोभ मान सदा' राम 'योगी, संयमी और निरभिमानी पुरुष है। इस तरह का चरित्र

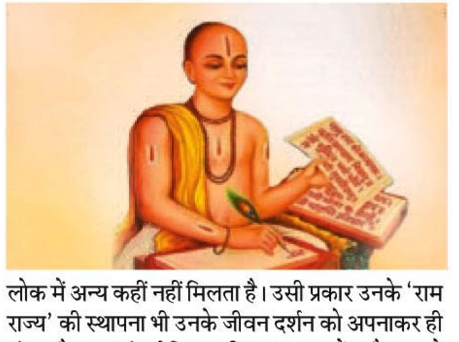

लोक में अन्य कहीं नहीं मिलता है। उसी प्रकार उनके 'राम राज्य' की स्थापना भी उनके जीवन दर्शन को अपनाकर ही संभव है। राम संपूर्ण विश्व की आस्था का केंद्र है। रमन्ते योगिनः यस्मिन सः रामः-वस्तुतःजो रमता है वही राम है।" वेद व्यास और वाल्मीकि से लेकर आधुनिक युग तक में रामकथा के विविध रूप उसके प्रति आस्था का स्वरूप देखा जा सकता है। मध्यकाल में कबीर और तुलसी के राम तो आधुनिक काल में गाँधी के राम 'रामकथा' के व्यापक परिदृश्य में राम की महत्ता को प्रदर्शित करता है। कबीर लिखते हैं कि 'दशरथ सुत तिहुं लोक बखाना। राम नाम का मरम न जाना।' तुलसीदास लिखते हैं कि 'समुझत सरिस नाम अरु नामी। प्रीति परसपर प्रभु अनुगामी।' राम के नाम और राम के रूप में छोटे-बड़े का कोई प्रश्न नहीं है। गांधी जी राम के दोनों रूपों को स्वीकारते हैं। डॉ. कमल किशोर गोयका लिखते हैं कि 14 अप्रैल 1933 को लिखते हैं कि, "मेरा राम दशरथनंदन है सही, लेकिन वह उनसे भी बहुत अधिक है। वही सच्चिदानंद पूर्ण ब्रह्म है" ।तुलसीदास के राम लोक में व्याप्त है। उनकी यही लोक ग्राह्यता उन्हें व उनके काव्य को लोक में विशिष्ट बनाती है। विश्व में राम कथा का व्यापक स्वरूप मिलता है। भारत के परिदृश्य में अनेक भाषाओं में यह रामकथा कहीं गई है। लेकिन लोक में तुलसी के राम ही सर्वाधिक स्मरण किये जाते हैं क्योंकि यह 'राम/ उत्तर से दक्षिण तक आमजन का प्रतिनिधित्व करते हैं उनके लिए एक आदर्श मनुष्य की परिकल्पना गढ़ते हैं। ऐसा मनुष्य जो परिवार व समाज व राज्य के प्रति जिम्मेदारियों से भागता नहीं है जिसके लिए पारिवारिक संबंधों की महत्ता है और उनके निर्वहन के लिए वह सत्ता तक का परित्याग कर सकता है। जो कि मध्यकालीन अराजक परिवेश में एक तरह की तुलसीदास की परिकल्पना ही थी। जिसे वह अपने आराध्य राम के चरित्र के माध्यम से स्थापित करना चाहते थे। यही कारण भी है कि लोक में तुलसीदास के राम सदैव याद किए जाते हैं। संबंधों की परिपाटी में उनकी तुलना 'राम' से की जाती है। तुलसी के राम मानव भी है और ब्रहम स्वरूप भी। वह लोक कल्याण के लिए अवतार भी धारण करते हैं और लोक का कल्याण करते हैं। वह वेद शास्त्र, पुराण, धर्म, संस्कृति, जीवन मूल्यों और आदर्शों का समुच्य है। क्योंकि वह ब्रहम स्वरूप है "मंगल भवन अमंगल हारी। उमा सहित जेहि जपत पुरारी" और मानव भी " मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवहु सो दशरथ अजिर बिहारी"। तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस केवल रामायण की रामकथा का एक परिशिप्त मात्र नहीं है, बल्कि यह लोक की संवेदनाओं से पाठक को जोड़ती है, इसकी अवधी भाषा व सरल दोहा चौपाई में लिखे गए छंद इस महाकाव्य को अन्य रामकथा से संबंधित महाकाव्यों से बेहतर तरीके से लोक से जोड़ता है। क्योंकि उनकी भक्ति का संबंध मानवता व करुणा से है। यही कारण है कि उनके संपूर्ण काव्य में मानवीय मूल्यों, लोकाचार, करुणा प्रेम का अद्भुत समागम देखने को मिलता है।' भक्तिकाव्य की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना नामक पुस्तक में लेखक प्रेमशंकर 'राम मध्यकाल के जननायक शीर्षक में लिखते हैं कि-मेरा विचार है कि तुलसी भक्ति के माध्यम से मध्यकाल के लिए जिस जीवन दर्शन की तलाश कर रहे थे. उसके व्यवहारिक पक्ष के लिए उन्होंने राम की सामाजिकता को बार-बार उजागर करने की चेष्ठा की और अपने चरित्र नायक को अधिक से अधिक लोकोन्मुख किया। उनमें जो अलौकिकता है वह भी मध्यकालीन परिवेश की उपज है, पर राम की सामाजिकता को समान्य जन स्वीकारते हैं, उन्हें अपना जननायक मानते हैं।'

कुछ अलग

अंधे की मक्खी राम उड़ावे

आर्यावर्त में पिछली सरकार अपने अभूतपूर्व क्रांतिकारी शासन काल में राम राज्य की परिकल्पना को धरातल पर सौ फीसदी साकार कर चुकी थी। आर्यावर्त विश्वगुरू के पायदान पर दृढ़ता से काबिज हो चुका था। देश में एक इंच की गुंजाइश भी बाकी न थी, जहां नई केन्द्र सरकार अपने कुशल, गतिशील, ओजस्वी, पारदर्शी और दिग्संचालित शासन से आर्यावर्त को विश्व गुरू के दरजे से आगे बढ़ाते हुए ब्रह्मांड गुरू बना सकती। उसे अपनी चुनावी गारंटियों को पूरा करने में बड़ी दिक्कत हो रही थी। इससे परेशान नई सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के उस सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया, जिसने अपने कार्यकाल में संविधान को अंधेरे ताक पर रखते हुए पूर्व सरकार के पक्ष में सारे फैसले देते हुए देश में राम राज्य की कल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की थी। कहते हैं कि घर की चाबी गुम होने पर उसमें चोरी करने वाले से ही भीतर घुसने का तरीका पूछना चाहिए। इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कमेटी में मुख्य चुनाव आयुक्तों के अलावा ईडी तथा सीबीआई के पूर्व निदेशकों को शामिल किया। दरअसल सभी सरकारों को पता होता है कि भले सरकार की रीढ़ पर किसी को कोई संदेह हो, लेकिन ब्यूरोक्रेसी की रीढ़ पर किसी शक की गुंजाइश नहीं होती। खरा आत्मसम्मानी कभी सरकारी नौकरी में आता ही नहीं और अगर आ भी जाए तो ज्यादा टिकता नहीं। फिर भी अगर कोई ऐसा नौकरशाह टिकने की जुर्रत करे तो सरकारों के पास उसके इलाज के कई तरीके होते हैं। विशेष शल्य चिकित्साओं द्वारा उसकी ही नहीं, उसके पूरे खानदान की रीढ़ निकाली जा सकती है। आजादी के बाद से ही समय-समय पर किए गए सभी सरकारों के मिलेजुले प्रयासों का ही यह नतीजा है कि आज ब्यूरोक्रेसी में रीढ़ उस पारस पत्थर की तरह हो गई है जो केवल किंवदन्तियों में ही मिलता है। सरकारों के इलाज और नौकरशाहों की इसी चारित्रिक दृढ़ता की वजह से सरकार की ओर से बहने वाले पानी के गंदले नाले में इतने केंचुए हो गए हैं कि आजादी के अमृत और कत्तव्य कालों में नाला पूरी तरह बहने से रुकने के बाद भयंकर सड़ान्ध मारने लगा है। उधर पुरानी और नई सरकारों की इस लड़ाई में कभी रोम-रोम में बसने वाले राम ऊहापोह में फंसे हुए थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें उसी भव्य सरकारी मन्दिर में रहना चाहिए, जिसे पुरानी सरकार द्वारा गठित ट्रस्ट ने इतनी ईमानदारी से बनाया है कि उस पर तनी उंगलियां अभी तक बैठी नहीं या फिर पुनः जगत्‌के कण-कण में विद्यमान हो जाना चाहिए। वैसे उनके पास तीसरा विकल्प भी था कि जिस तरह देश रामभरोसे चल रहा है, वह भी उसी व्यवस्था के तहत चलना आरम्भ कर दें। वह सोचने लगे कि 'सब राम भरोसे', 'राम के भरोसे रहना या चलना', 'राम भली करेगा', 'अंधे की मक्खी राम उड़ावे', 'राम नाम जपना पराया माल अपना', 'राम जी खूब बरसे' या 'राम जी कहां बरसे' जैसी कहावतों के अलावा आम अभिवादन के लिए 'राम राम' या 'राम सलाम' से लगता है कि मैं लोगों के जीवन में उनकी सांस की तरह घुला हूं। फिर मेरे नाम पर राजनीति क्यों की जाती है। लेकिन मेरे नाम पर राजनीति पिछले सौ सालों से की जा रही है जबकि 'सब राम भरोसे' कहावत सदियों पुरानी है। हो सकता है कि कबीर ने पंडों-पण्डितों द्वारा धर्म के नाम पर की जा रही लूटपाट के कारण मुझे खिलौना कहा हो। धर्म में उतरे आदमी के कर्म-कांड में फंसने के बाद मेरी शरण में आने के सिवा क्या रास्ता बचता है। धर्म-राजनीति का कॉकटेल केवल राजनेताओं के लिए है। फिर उन्हें ध्यान आया कि अपनी राजाशाही के दौरान उन्होंने भी एक धोबी के कहे पर उस सीता का परित्याग कर दिया था जिसकी अग्नि परीक्षा वह लंका से वापस आने से पहले ले चुके थे।

देश दुनीया से

सोने की सदारत

> देश में हर महीने तस्करी के जरिए करीब पांच टन सोना आ रहा है। वर्ष 2012-13 में सोने की तस्करी से जुड़े 870 मामले सामने आए थे और सौ करोड़ का सोना जब्त किया गया था। देश के सभी हवाई अड्डों पर तस्करी रोकने के लिए कस्टम विभाग है। इसके अलावा स्थानीय पुलिस भी चौकसी रखती है। देश के बंदरगाहों और समुद्री सीमा पर तस्करों पर निगाह रखने के लिए पुलिस के साथ जलसेना भी है। जिन सफेदपोश जमाखोरों का कालाधन विदेशों में जमा है, वे भी अपने कालेधन को सोने में बदलने लगे हैं। खाड़ी देशों और कालाधन से अर्थव्यवस्था चलाने वाले देशों में ये काला धंधा खूब फल-फूल रहा है। लिहाजा खाड़ी देशों के साथ ही टैक्स हैवन माने गए मलेशिया, सिंगापुर, फिलीपींस, इंडोनेशिया, थाईलैंड समेत कई दक्षिण-पूर्वी देश सोने की तस्करी में सहयोग देकर इस धंधे के लिए सोने में सुहागा बने हुए हैं।

सोने से करेंसी की कीमत आंकने के दिन भले ही अब बीत गए हों, लेकिन सोने की चमक अब भी बरकरार है। क्या करता है सोना, अर्थव्यवस्था के लिहाज से? इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। गर्व की बात है कि फोब्र्स गोल्ड रिजर्व सर्वे के आधार पर भारत उन टॉप 10 देशों में शामिल है जिसके पास 800.78 टन सोना सुरक्षित है। इस सूची में भारत नौवें स्थान पर है। ब्रिटेन जैसे विकसित देश और सऊदी अरब भी भारत से पीछे हैं। सऊदी अरब 323.07 टन सोने के साथ सोलहवें और ब्रिटेन 310.29 टन सोने के भंडार के साथ सत्रहवें स्थान पर है। सबसे ज्यादा सोना 81336.46 टन अमेरिका के पास है। इसके बाद जर्मनी, इटली, फ्रांस, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड, जापान और नीदरलैंड का नंबर आता है। स्वर्ण भंडार किसी देश की आर्थिक स्थिरता तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेष रूप से वित्तीय अनिश्चितता के समय ये भंडार किसी देश की आर्थिक स्थिति को स्पष्ट करता है। फोब्र्स की रिपोर्ट के अनुसार सोना मूर्त संपत्ति होने के कारण देशों को अपने संपूर्ण विकास में विविधता लाने में सक्षम बनाता है। ये विविधता अन्य संपत्तियों के मूल्य में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद करती है। वर्तमान समय में विश्व के ज्यादातर देशों में आर्थिक लेन-देन के तरीके बदल रहे हैं। तकनीक के जरिए धन का लेन-देन होने लगा है। इस कारण भी धन के रूप में सोने की जरूरत कम हुई है। फिर भी किसी देश की आर्थिक समृद्धि और उसकी मुद्रा का प्रमुख आधार सोने की अधिकता ही है। लिहाजा सोने का आयात और खरीद ऐसे कारक हैं, जो देश की आर्थिक उछाल का पर्याय बनते हैं। जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की बढ़त में भी सोने का योगदान आंका जाता है। सोने को विश्व पटल पर 'पी-धातु' की संज्ञा दी गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सोने में आयात के नियमों में ढील देने के कारण कोरोना महामारी और देशबंदी के कालखंड में सोने का आयात अधिक तो हुआ ही, लोगों ने व्यक्तिगत रूप से उसका संग्रह भी खूब किया। यदि इस अनुत्पादक और मृत संपदा में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भंडार खप जाए तो निकट भविष्य में सरकार के सामने विदेशी मुद्रा का संकट खड़ा हो सकता है। एक समय भले ही भारत सोने की चिड़िया कहा जाता हो, लेकिन आज तो उसे अपनी जरूरतों के लिए 95 फीसदी सोना दूसरे देशों से खरीदना होता है। कच्चे तेल के बाद सोने के आयात में ही सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च होती है। सोना भारतीय परंपरा में धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टियों से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पूजा-पाठ से लेकर शादी में वर-वधु को सोने के गहने देना प्रतिष्ठा और सम्मान का प्रतीक है। जीवन में बुरे दिन आ जाने की आशंकाओं के चलते भी सोना सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति आम आदमी में खूब है। इसलिए जैसे ही सोना सस्ता होता है, इसकी खरीद बढ़ जाती है। जिसका अप्रत्यक्ष प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वित्तमंत्री रहे पी. चिदंबरम को जनता से अपील करनी पड़ी थी कि वह एक साल तक सोना न खरीदें, ताकि देश की माली हालत संभाली जा सके। चिदंबरम ने चेतावनी दी थी कि सोना डॉलर में आयात किया जाता है। इस वजह से व्यापार घाटा खतरनाक तरीके से बढ़ जाता है और रुपए की कीमत भी गिरने लगती है। सोने के आयात के साथ यह धारणा भी बनी हुई है कि इससे चालू खाते के घाटे को कम करने में सहायता मिलती है। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार घाटा माना जाता है। सोने का आयात व्यापार के कई स्तरों को प्रभावित करता है। इसकी बिक्री बाजार के अन्य व्यापारिक क्षेत्रों को भी प्रभावित करती है। भारत सोने का बड़ा बाजार है और इस पर दुनिया की निगाहें टिकी रहती हैं। दूसरे देशों से होने वाले सोने के आयात से ही आभूषण उद्योग फलता-फूलता है। गहने बनाने में कुशल कारीगरों की आजीविका इसी व्यापार से चलती है। सोने का संग्रह और सोने के प्रति विशेष आकर्षण ही वह वजह है, जिसके चलते हर साल 10 टन तक सोने का आयात होता है। मंदिरों में भी अनेक श्रद्धालु सोने का गुप्त या खुला दान करते हैं। मशहूर बाबा अरुण गिरी तो सोने के गहनों से लदे हुए ही देश-विदेश की यात्राएं करते हैं। ये भक्तों से सोना ही दान में लेते हैं। सोने का संग्रह इसलिए भी किया जाता है, क्योंकि भविष्य में इसके दाम बढने की उम्मीद हमेशा बनी रहती है।

आप का नजरीया

एमएसपी की गारंटी नहीं

देश की राजधानी दिल्ली में 12 मार्च तक धारा 144 लागू कर दी गई है। हरियाणा के करीब 15 जिलों में भी निषेधाज्ञा की स्थिति है। जाहिर है कि हालात सामान्य नहीं हैं। एक बार फिर किसान संगठनों ने लामबंद होकर 'दिल्ली कूच' का आह्वान किया है। भारतीय किसान यूनियन (राकेश टिकैत समूह) ने 16 फरवरी को 'भारत बंद' का आह्वान किया है। किसानों ने अपने आंदोलन के लिए संवेदनशील समय चुना है। देश में आम चुनाव की गतिविधियां आरंभ हो गई हैं। ऐसे मौके पर अपनी मांगों को लेकर भारत सरकार को झुकने पर बाध्य किया जा सकता है। राजधानी में एक माह तक लगातार धारा 144 लागू करने की स्थिति देशहित में नहीं है। दिल्ली के तीन बॉर्डर पर किलेबंदी भी की गई है। सडक़ पर लोहे की कीलें गाडऩा, कंटीली तारें, लोहे और सीमेंट के विशालकाय अवरोधक, भारी कंटेनर और डंपर लगाकर रास्ते रोकने के दृश्य बीते किसान आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं। हरियाणा के कई जिलों में तो मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस की सेवाओं पर पाबंदियां चस्पां कर दी गई हैं। दिल्ली बॉर्डर और पंजाब-हरियाणा में सुरक्षा बलों और पुलिस के हजारों जवान तैनात किए गए हैं, मानो यह कोई भारत-पाकिस्तान सीमा हो और युद्ध के आसार हों! भारत सरकार और किसानों के बीच मतभेद और विवादास्पद समस्याएं सनातन रही हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय की किसान नेताओं के संग बैठक और बातचीत बेनतीजा रही हैं, लेकिन बिजली कानून, 2020 को रद्द करने, लखीमपुर के किसानों को मुआवजा, पिछले आंदोलन में मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा, किसानों पर दर्ज आपराधिक मामलों की वापसी आदि मुद्दों पर लगभग सहमति बन गई है, लेकिन बुनियादी गतिरोध न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के गारंटी कानून पर है। जब करीब दो साल पहले किसान आंदोलन समाप्त किया गया था, तब खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन मांगों को लेकर किसानों को आश्वस्त किया था। सवाल है कि सरकार एमएसपी पर अपनी नीति को स्पष्ट क्यों नहीं करती? यदि एमएसपी गारंटी कानून व्यावहारिक, संभव नहीं है, तो सरकार किसानों को अपना फैसला क्यों नहीं बताती? क्या आम चुनाव के मद्देनजर यह जोखिम नहीं उठाया जा सकता? वैसे भारत सरकार सिर्फ 23 फसलों पर ही एमएसपी की घोषणा करती है। उनमें भी गेहूं और धान की फसलों की खरीद ही एमएसपी पर होती है, क्योंकि खाद्य सुरक्षा और भंडारण के लिए सरकार को इन फसलों की व्यापक खरीद करनी पड़ती है। सरकार जिन 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटती है, उसके लिए भी थोक में बंदोबस्त करना अनिवार्य है। इसके बावजूद करीब 12-14 फीसदी किसानों को ही खरीद का लाभ मिल पाता है। शेष 85 फीसदी से अधिक किसान छोटे और सीमांत हैं। वे सरकारी खरीद के दायरे में बहुत कम आ पाते हैं। इसके अलावा, सरकार के लगातार प्रचार के बाद मोटे अनाज में अब बाजरे की खेती का क्षेत्र बढ़ा है, लिहाजा उसकी खरीद भी बढ़ी है। बाजरे का एमएसपी अच्छा-खासा घोषित किया जाता है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होगा रोडवेज सांझा मोर्चा पैन व पहिया होगा जाम

हिसार (हिंस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने बुधवार को ऐलान किया है कि वह 16 फरवरी को विभिन्न संगठनों के आह्वान की जाने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होगा। मोर्चा का कहना है कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनविरोधी व कर्मचारी विरोधी नीतियों का जवाब देने, हिट एंड रन कानून वापिस करवाने, लंबित मांगों को पूरा करवाने सहित अन्य मांगों को इस दौरान जोर-शोर से उठाया जाएगा। सांझा मोर्चा नेता राजबीर दुहन, अजय दुहन, राजकुमार चौहान व सुभाष ढिल्लो ने 16 फरवरी की हड़ताल की सफलता के लिए बुधवार को रोडवेज डिपो में कर्मचारियों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया। नेताओं ने दावा किया कि इस दौरान कर्मचारियों में हड़ताल के प्रति भारी उत्साह देखा गया। उन्होंने कहा कि इस हड़ताल में कर्मचारी व अन्य जनसंगठन शामिल हो रहे हैं। इस तरह की एकजुटता से ही सरकार को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे इस हड़ताल में एकजुटता से शामिल हों और उस दिन पैन व पहिया जाम करके अपनी ताकत का परिचय दें। कर्मचारी नेता नरेंद्र खरड़, नरेंद्र सोनी, सुरेश स्याहड़वा, अमित जुगलान, पवन बूरा, अरूण शर्मा, दयानंद सरसाना, दर्शन जांगड़ा व सलीम सरसौद ने अलग कमेटी बनाकर हड़ताल की सफलता के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग में हड़ताल के प्रति जोश है, कर्मचारी वर्ग अपने साथ हो रहे अन्याय को लेकर अब चुप नहीं बैठेगा और हड़ताल को सफल बनाकर एकजुटता का परिचय देगा।

सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से भरा पर्चा, रायबरेली से अब कौन ?

रायबरेली (हिंस)। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। रायबरेली लोकसभा क्षेत्र की सांसद सोनिया गांधी के इस फैसले से यह माना जा रहा है कि अब वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगी। वर्ष 2004 से 2019 तक सोनिया गांधी रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से लगातार पांच बार जीत चुकी हैं। वर्ष 1999 में वह पहली बार अमेठी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ीं और जीतीं। इसके बाद यह सीट उन्होंने राहुल गांधी के लिए छोड़ दी। सोनिया ने अपनी सास इंदिरा गांधी के बाद लंबे समय तक रायबरेली से चुनाव लड़ा और जीता। हालांकि 2019 के बाद यहां उनका आना जाना कम हो गया, तभी से यह कयास लगाया जाने लगा था कि उनका यह अंतिम चुनाव होगा, जिसका संकेत उन्होंने अपनी कई सार्वजनिक सभाओं में दिया था। रायबरेली सीट गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित मानी जाती है। प्रियंका गांधी वाड्रा की सक्रियता से इस बात की अटकलें लगने लगी हैं कि वह इस बार रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी। रायबरेली सीट से पहली बार वर्ष 1952 के चुनाव में सोनिया गांधी के ससुर फिरोज गांधी ने चुनाव लड़ा और जीता। वह 1952 और 1957 में यहां से जीते। सोनिया की सास इंदिरा गांधी ने इसे मजबूती दी और यहां से 1967, 1971 और 1980 में विजयी रहीं। रायबरेली में गांधी परिवार से चुनाव लड़ने और जीतने का सिलसिला आगे भी चलता रहा। वर्ष 1980 एवं 1984 में अरुण नेहरू ने चुनाव जीता। गांधी परिवार की ही शीला कौल 1989 एवं 1991 में रायबरेली से सांसद रहीं। वर्ष 1999 में कैप्टन सतीश शर्मा यहां से सांसद बने। सतीश शर्मा को गांधी परिवार का सबसे विश्वास पात्र माना जाता था। हालांकि रायबरेली में गांधी परिवार को कई झटके भी लगे। वर्ष 1977 के चुनाव में यहां से जनता पार्टी के राजनारायण जीते और 1996 एवं 1998 के चुनाव में यहां से भाजपा उम्मीदवार विजयी रहा। बावजूद इसके यह सीट गांधी परिवार के लिए सबसे अहम रही है। वर्ष 2024 में प्रियंका गांधी के चुनावी राजनीति की शुरुआत भी यहीं से करने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि सोनिया गांधी पहली बार 1999 में अमेठी क्षेत्र से सांसद चुनी गई। इसके बाद वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में वह रायबरेली सीट से जीतीं। मई 2006 में लाभ के पद को लेकर हुए, विवाद के बाद उन्होंने लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उपचुनाव के जरिए वह दोबारा सांसद चुनी गईं। इसके बाद 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में सोनिया ने रायबरेली सीट से जीत हासिल की।

बिहार में एनडीए गठबंधन के आते ही बजट का आकार बढा : राजीव रंजन

सहरसा (हिंस)। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी की ओर से वर्ष 2024-2025 का बिहार के लिए 2 लाख 78 हजार 425 करोड़ रुपए का बजट पेश किए जाने पर भाजपा के जिला मंत्री राजीव रंजन साह ने कहा 2006 में एनडीए सरकार द्वारा पेश पहले बजट का एनडीए आकार 27 हजार करोड़ था। जो आज के दिन मे बिहार का बजट 22 लाख 78 हजार 425 करोड़ रुपए का हो गया। भाजपा गठबंधन ने अपनी परंपरा को कायम रखते हुए उसे 2.78 लाख करोड़ पहुंचा दिया। निश्चित ही 10 प्रतिशत से ज्यादा की विकास दर को पाने में यह बजट सफल होगा। भाजपा जिला मंत्री ने कहा कि इस बजट में 700 करोड़ की राशि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए दी गई है। साथ ही बिहार के 94 लाख परिवार जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्हें दो लाख रुपए अनुदान देने का निर्णय लिया गया है। स्वरोजगार के जरिए लोगों को समृद्ध करने पर काम किया जाएगा। दिव्यांग जनों को 4 प्रतिशत शैक्षणिक आरक्षण भी दिया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा सामाजिक विकास पर फोकस किया गया है। अनुसूचित जाति जनजाति समुदाय के बच्चों के ख्वाब पूरे हो रहे हैं। बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है। खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा मेडल लाएं इस पर काम हो रहा है। भाजपा जिला मंत्री ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि एनडीए की वर्तमान सरकार विकास के मुद्दे पर काम कर रही है। यह काम आगे भी जारी रहेगा। बिहार में न्याय के साथ विकास हो रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री भाजपा में हुए शामिल

लखनऊ (हिंस)। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री अपने साथियों के साथ बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि लोकसभा के आगामी चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की 25 करोड़ आबादी को गरीबी से बाहर निकालने का काम विगत 10 वर्षों में हुआ है। उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार से प्रदेश की प्रगति, माफिया मुक्ति, गांव, गरीब, किसान की उन्नति संभव हुई है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता प्रचंड बहुमत से मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का निश्चय कर चुकी है। भाजपा में शामिल होने के बाद विभाकर ने कहा कि हमें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जय जवान जय किशान जय विज्ञान और जय अनुसंधान के नारे के साथ जुड़ने का मौका मिला है। हमें नरेंद्र मोदी और भाजपा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हाल पिछले कई सालों से दिशाहीन है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता ब्रज बहादुर, प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

ग्यारह जिलों के जेलों में 150 कक्षपालों की होगी नियुक्ति

रांची (हिंस)। राज्य के जेलों में संविदा के आधार पर कक्षपालों की नियुक्ति होगी। इस संबंध में जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार 150 भूतपूर्व सैनिकों को एक साल के अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाएगा। जरूरत के अनुसार इस अनुबंध को बढ़ाया भी जा सकता है। अनुबंध पर नियुक्त किये गये भूतपूर्व सैनिकों को हर महीने 20 हजार वेतन मिलेगा। हर साल सेवा अवधि के विस्तार होने पर मानदेय में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। इन कर्मियों को एक साल में सिर्फ 20 दिन का ही क्षतिपूर्ति अवकाश मिलेगा।

किसान आंदोलन को लेकर कई मार्ग आज भी रहेंगे पूरी तरह बंद, तीन जिलों में बीस तक लागू रहेगी धारा 144

जयपुर (हिंस)। एमएसपी समेत विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को भी किसानों के दिल्ली कूच करने जैसी संभावनाओं के मामले में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। राज्य के अनूपगढ़, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। बुधवार को किसानों के दिल्ली कूच पर पुलिस की पूरी नजर है। हनुमानगढ़ जिले के पास अंतरराज्यीय बॉर्डर इलाकों पर नाकाबंदी पिछले 24 घंटे से रातभर जारी रही। हनुमानगढ़ के हरियाणा पंजाब बॉर्डर को जोड़ने वाले सभी नाकों पर सख्ती रही। यहां 24 घंटे की नेटबंदी के बाद इंटरनेट सेवा दोबारा बहाल कर दी गई है। देर शाम एसपी डॉक्टर राजीव पचार और कलक्टर कानाराम ने अपील जारी करते हुए किसानों से संयम और सहयोग करने की अपील की। जिले में बुधवार को भी छह जगहों पर रास्ता पूरी तरह बंद रखा गया। जिले भर में 20 फरवरी तक धारा 144 प्रभावी रहेगी। संयुक्त किसान

मोर्चा के विभिन्न किसान संगठनों द्वारा दिल्ली में प्रस्तावित धरना प्रदर्शन के चलते राजस्थान के पंजाब और हरियाणा बॉर्डर अवरुद्ध चल रहे हैं। जिला परिवहन अधिकारी संजीव चौधरी ने बताया कि पंजाब, हरियाणा मार्ग पर सार्वजनिक परिवहन सेवा (रोडवेज), लोक परिवहन एवं अन्य बसों का संचालन आज बुधवार को भी बाधित रहेगा। हरियाणा पंजाब बॉर्डर पर मुख्य रास्ते बंद होने के चलते वाहन न राजस्थान की सीमा में प्रवेश कर सकते है और न ही पड़ोसी राज्य में जा सकते हैं। इसको देखते हुए किसी को परेशानी न हो इसलिए बसों व अन्य भारी वाहनों का आवागमन बंद किया गया है।

वेलेंटाइन डे पर पति के रंगीन मिजाज की शिकायत कार्रवाई की मांग

अररिया (हिंस)। जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र के दल्लू टोला वार्ड संख्या 18 की रहने वाली नजराना खातून ने अपने पति मो. फिरोज के खिलाफ थाना में लिखित शिकायत की है। उन्होंने पति पर दूसरी लड़कियों से अवैध संबंध रखने, उनके साथ मारपीट करने सहित कई आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है। फारबिसगंज थानाध्यक्ष को दिए आवेदन में नजराना खातून ने कहा कि उनकी शादी फिरोज से मुस्लिम रीति रिवाज के साथ 4 अगस्त 2008 को हुई थी। उनको एक लड़का और लड़की भी है। शादी के बाद से ही पति के दूसरी लड़कियों के साथ गलत संबंध रखने की बात करते हुए आवेदन में उन्होंने कही कि उसके इस आचरण के कारण उसे छोड़कर न्यायालय का शरण ली थी। जिसमे उन्होंने लिखित देते हुए गलती मानकर उस अपने साथ लेकर आए थे। दो दिन पहले 12 फरवरी की रात 10 बजे घर से गाड़ी लेकर यह कहते हुए निकला कि वह बाहर जा रहा है। लेकिन आवेदन में पीड़िता ने कहा किथाब उनके मोबाइल का लोकेशन देखा तो बगल का ही लोकेशन दिखा। पता लगाने पर पानी टंकी वार्ड संख्या 18 के पास गाड़ी खड़ी मिली।

किसानों ने अधिकारियों को दफ्तर में घुसने नहीं दिया

गाजियाबाद (हिंस)। आवास-विकास परिषद की मंडोला विहार योजना से प्रभावित किसानों ने बुधवार को परिषद के अधिकारियों को दो घंटे तक कार्यालय प्रांगण में नहीं घुसने दिया। उल्लेखनीय है कि किसानों ने एक सप्ताह से किसान परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार के साथ-साथ अधीक्षण अभियंता बागपत वृत कार्यालय की ताला बंदी किए हुए हैं। मंडोला विहार योजना से प्रभावित मंडोला, नानू, पंचलोक, अगरौला, लुतफुल्लापुर नवादा, मिलक बामला आदि गांव के किसान पिछले सात आठ वर्षो से अपनी अधिग्रहित जमीन के मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसान पिछले कई वर्षो से धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। कई दौर की वार्ताओं के बाद भी समाधान नहीं निकलने से नाराज किसानों ने परिषद कार्यालय में तालाबंदी कर रखी है। किसानों का कहना है कि शासन के प्रमुख सचिव के लिखित निर्देशन के बावजूद मंडल कमिश्नर किसान प्रतिनिधियों से वार्ता की तारीख से संबंधी पत्र जारी नहीं कर रहे हैं। जिससे अक्रोशित किसानों ने आज दो घंटे तक परिषद के अधिकारियों को अंदर नहीं घुसने दिया। मौके पर पहुंचे एसीपी सूर्य बली जिन्होंने शाम तक वार्ता की तारीख से संबंधी पत्र जारी कराने की बात कही तब जाकर किसानों ने अधिकारियों को अंदर आने दिया। धरने पर मुख्य रूप से मास्टर महेंद्र सिंह, विनोद त्यागी, नीरज त्यागी, सुनील गहलोत, ज्ञानी बैसला, रामनरेश त्यागी, कृष्ण त्यागी, हरिओम त्यागी, अमित त्यागी, टुकी भैया, रणवीर बैंसला, बॉबी त्यागी, ब्रजेश दरोगा, बालकराम, संदीप त्यागी, राकेश त्यागी, सियानन्द त्यागी, शिव चरण, पुरण, मंगते आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राज्यसभा चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के नामांकन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को राज्यसभा चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार के नामांकन में शामिल हुये। बिहार विधानसभा सचिव के कार्यालय में भाजपा से डॉ. भीम सिंह तथा (डॉ.) धर्मशीला गुप्ता जबकि जदयू से संजय कुमार झा ने राज्यसभा के लिए नामांकन किया। नामांकन के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी सहित बिहार सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजस्थान : 33 आईएएस अधिकारियों का तबादला, तीन संभागीय आयुक्त और आठ जिलों के कलेक्टर बदले

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 33 अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादला सूची में 11 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज दिया हैं। सरकार ने तीन संभागीय आयुक्त और आठ जिलों के कलेक्टर बदल दिए हैं। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार आलोक को अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग राजस्थान जयपुर, अपर्णा अरोड़ा को अतिरिक्त मुख्य सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग जयपुर, दिनेश कुमार को प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिदेशक विभाग राजस्थान जयपुर, नवीन महाजन को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य भंडार निगम जयपुर, भानु प्रकाश एटरू को अध्यक्ष डिस्कॉम राजस्थान जयपुर एवं प्रबंध निदेशक जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड जयपुर, सरवन कुमार को शासन सचिव विद्युत एवं प्रौद्योगिकी विभाग जयपुर, उर्मिला राजोरिया को संभागीय कोटा, सुधीर कुमार शर्मा को शासन सचिव सामान्य प्रशासन मंत्रिमंडल सचिवालय संपदा स्टेट मोटर गैराज पदेन ऑफिस प्रोटोकॉल जयपुर, प्रतिभा सिंह को संभागीय आयुक्त पाली, सुषमा अरोड़ा को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं नियोजन निगम एवं आयुक्त दिल्ली मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर जयपुर और वंदना सिंघवी को संभागीय आयुक्त बीकानेर लगाया गया है। सूची में कुमारपाल गौतम को आयुक्त कौशल रोजगार एवं उद्यमी राजस्थान जयपुर, इंद्रजीत सिंह को आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल जयपुर, राजेंद्र सिंह शेखावत को जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट शाहपुरा, अनूप प्रेरणा कुंतल को विशेष शासन सचिव गृह विभाग जयपुर, शक्ति सिंह राठौड़ को जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट सांचौर, प्रज्ञा देवलरामानी को आयुक्त उदयपुर, भगवती प्रसाद कलाल को निदेशक खान एवं भूविज्ञान विभाग राजस्थान उदयपुर, ओमप्रकाश कसेरा को प्रबंध निदेशक जोधपुर विद्युत वितरण निगम जयपुर, टीकमचंद बोहरा को संयुक्त शासन सचिव वित्त विभाग जयपुर, नथमल डिटडेल को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम जयपुर, नर्मदा वृष्णि को जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट बीकानेर, अंशदीप को आयुक्त आबकारी विभाग एवं पदेन मध्य निषेध निदेशक राजस्थान उदयपुर लगाया गया है।

पंजाब में आज रेलवे ट्रैक जाम करेंगे किसान, दूसरे दिन भी बॉर्डर पर आंसू गैस और लाठीचार्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। किसानों ने दिल्ली कूच के घोषणा के साथ अब तक इस आंदोलन से दूर भारतीय किसान यूनियन उग्राहां (बीकेयू) ने पंजाब में गुरुवार को रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान कर दिया। हरियाणा व पंजाब के कई बॉर्डरों पर दूसरे दिन भी तनाव बना रहा। बुधवार को किसानों ने कई बार बैरिकेडिंग तोड़कर घुसने का प्रयास किया। वहीं पुलिस लाठीचार्ज कर आंसूगैस के गोले भी छोड़कर किसानों को रोके रखी है। पंजाब सीमा में हरियाणा पुलिस के ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़ने पर पटियाला प्रशासन ने आपत्ति जताई। बीकेयू उग्राहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि कल दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक रेलवे ट्रैक का जाम करेंगे। अभी तक बीकेयू उग्राहां ग्रुप इस आंदोलन से दूर था। इस ऐलान के साथ ही पंजाब पुलिस भी सतर्क हो गई है। पंजाब में कहां-कहां रेलवे ट्रैक पर बैठेंगे इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। दूसरी तरफ हरियाणा व पंजाब के शंभू, खनौरी व दाता सिंह वाला बार्डर पर आज दूसरे दिन भी तनाव की स्थिति बनी रही। किसानों ने कई बार बैरीकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने कई बार किसानों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। किसानों के दिल्ली कूच के प्रयासों के बाद अब पंजाब व हरियाणा का प्रशासन भी आमने-सामने हो गया है। हरियाणा पुलिस ने मंगलवार को भी ड्रोन की मदद से आंसू गैस के गोले दागे थे। बुधवार को पंजाब के पटियाला जिला के उपायुक्त शौकत अहमद ने इस पर आपत्ति जताते हुए अंबाला के जिला उपायुक्त को पत्र लिखा है। पटियाला के उपायुक्त ने कहा कि पुलिस कार्रवाई के दौरान पटियाला जिला की सीमा में ड्रोन उडाए जा रहे हैं और आंसूगैस के गोले पटियाला जिला की सीमा में गिराए जा रहे हैं। शंभू बार्डर पर पंजाब की सीमा में ड्रोन न उडाया जाए। पटियाला के उपायुक्त ने दावा किया है कि पंजाब की आपत्ति के बाद अब हरियाणा पुलिस ने पंजाब की सीमा में ड्रोन उडाने बंद कर दिए हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने दोबारा बातचीत के लिए बुलाए जाने पर आंदोलन की अगुवाई कर रहे किसान नेता सरवन सिंह पंधेर तथा जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि संगठन के सभी नेताओं से बातचीत करके इस बारे में फैसला किया जाएगा। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल ने आंदोलकारी किसानों का समर्थन करते हुए बुधवार को पंजाब बचाओ यात्रा को स्थगित करने का ऐलान कर दिया। अब अकाली दल ने गुरुवार को बैठक करके किसान आंदोलन के संबंध में आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।

डीसी उधमपुर ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन

उधमपुर (हिंस)। स्थानीय कार्यबल को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, उपायुक्त उधमपुर, सलोनी राय ने सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) उधमपुर में प्रतिष्ठित पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत बढ़ईगीरी और लोहार व्यापार में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 5 दिनों का बुनियादी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्धारित है, जो व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने और बढ़ईगीरी और लोहार व्यवसायों में व्यक्तियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक मूल्यवान पहल की शुरुआत है। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक डीआईसी उधमपुर, किशोर सिंह, अधीक्षक आईटीआई उधमपुर रविंदर सिंह भट्टी सहित मास्टर प्रशिक्षक एवं सभी प्रशिक्षु की उपस्थिति देखी गई। सभा को संबोधित करते हुए डीसी ने जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना को लागू करने में विभिन्न संबंधित विभागों के सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कारीगरों को आजीविका कमाने के लिए नवीन कौशल के साथ सशक्त बनाकर लाभान्वित करने की योजना की क्षमता को रेखांकित किया, जो अंततः जिले के आर्थिक विकास में योगदान देगा। डीसी ने पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक विशेषज्ञता प्राप्त करने के महत्व पर जोर देते हुए प्रशिक्षुओं से अपने कौशल प्रशिक्षण के दौरान आईटीआई में उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने योजना के विभिन्न लाभों के बारे में भी विस्तार से बताया और समाज, विशेषकर पारंपरिक शिल्पकार समुदाय पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया। टेलर पाठ्यक्रम के पहले दो बैचों के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। पहले दो बैच के लाभार्थियों ने आभार व्यक्त करते हुए पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से प्रदान किए गए अवसर को स्वीकार किया। उन्होंने खुद को कौशल हासिल करने के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया जिससे न केवल उनके व्यक्तिगत करियर को फायदा होगा बल्कि जिले के समग्र विकास में भी योगदान मिलेगा।

शिक्षा और संगीत से जुड़े छात्र और शिक्षकों ने मां सरस्वती का पूजन कर मनाया बसंत

कानपुर (हिंस)। शहर में बुधवार को बसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा तो स्कूलों में बच्चों ने विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। बसंत पंचमी के अवसर पर सरकारी स्कूलों के साथ ही निजी स्कूलों में छात्रों ने शिक्षकों के साथ मां सरस्वती का पूजन किया और उनकी वंदना की। इस मौके पर स्कूल के शिक्षकों ने बसंत पंचमी पर्व के बारे में जानकारी दी। बसंत पंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद दान पुण्य भी किया। वहीं स्कूलों-और घरों में मां सरस्वती की पूजा की गई। स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। इस बार बसंत ऋतु का आगमन उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र व चंद्रमा के मीन राशि में हुआ है। पुराने समय में इस दिन बालकों का उपनयन कर विद्या अर्जित करने के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, इसीलिए शिक्षण संस्थाओं में इस दिन मां सरस्वती की पूजा होती है। माना जाता है कि बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की विशेष तौर पर पूजा की जाती है। मां सरस्वती के एक हाथ में ग्रंथ है वे कमलपुष्प पर विराजमान हंसवाहिनी हैं। उन्हें विद्या एवं बुद्धि की देवी माना जाता है। मान्यता यह भी है कि शिक्षा के साथ ही संगीत क्षेत्र से जुड़े व कलाकार मां सरस्वती के पूजन के बाद ही नई विधा की शुरुआत करते हैं। बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि, कला एवं ज्ञान का वरदान मांगा जाता है। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ ही शहर के विभिन्न स्कूलों में बसंत पंचमी पर धूमधाम से रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में शिक्षकों के साथ ही बच्चों ने भी पूरे उत्साह व श्रद्धा के साथ विद्या की देवी की पूजा करने के साथ ही अन्य कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने तरह-तरह के मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। स्कूल के प्रिंसिपल व टीचरों ने सभी बच्चों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं। स्कूलों में शिक्षकों ने बसंत पंचमी के दिन सरस्वती मां के पूजन का महत्व भी समझाया और बताया कि इस दिन विद्यार्थियों को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि मां सरस्वती आज के दिन बहुत प्रसन्न होती हैं और हर मन्नत पूरी करती हैं। स्कूल के शिक्षकों ने छात्रों को बताया कि बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती का जन्म हुआ था। इसलिए बसंत पंचमी का त्योहार देवी सरस्वती जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। सरस्वती ने पृथ्वी पर उदासी को खत्म कर सभी जीव-जंतुओं को वाणी दी थी। इसलिए माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, संगीत, कला और बुद्धि की देवी भी माना जाता है। यह दिन विद्यार्थियों, लेखकों और कलाकारों के लिए खास महत्व रखता है।

केंद्र की स्टार्ट-अप योजना के तहत पंजाब का किसान ऑस्ट्रेलिया को रेडी-टू-कुक बाजरा का निर्यातक बना

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों के विपणन और निर्यात में लगभग 500 स्टार्टअप को सुविधा प्रदान की है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इन स्टार्टअप्स में पंजाब के संगरूर जिले का एक किसान शामिल है, जिसने ऑस्ट्रेलिया को 14.3 मीट्रिक टन बाजरा और इसके उत्पादों की कीमत 45,803 डॉलर की खेप निर्यात की है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने किसान दिलप्रीत सिंह की खेप को हरी झंडी दिखाई जिसमें पकाने के लिए तैयार बाजरा शामिल है। इसके अलावा रागी, ज्वार, बाजरा और विभिन्न बाजरा जैसे फॉक्सटेल, कोडो, बार्नयार्ड, ब्राउनटॉप, लिटिल और प्रोसो किस्मों से प्राप्त आटा भी पहली बार पंजाब के किसान द्वारा उठाए गए इस अनूठे निर्यात प्रयास का हिस्सा था। सिडनी स्थित आयातक जसवीर सिंह ने भी वर्चुअल फ्लैग-ऑफ समारोह में भाग लिया। उन्होंने सहयोग को सुविधाजनक बनाने में व्यापक समर्थन के लिए एपीडा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। वह आगे व्यापार के अवसरों के विस्तार को लेकर आशावादी हैं और उन्होंने भविष्य में इस तरह की और खेपों का आयात जारी रखना सुनिश्चित किया है। किसान के पास शुरू से अंत तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला नियंत्रण होता है जो खरीदारों के लिए जरूरी होता है। वह अपने खेत में बाजरा उगाते हैं, प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण उनकी अपनी इकाई में किया जाता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता की पैकेजिंग भी शामिल है। यह सफलता की कहानी इस बात का उदाहरण है कि कृषि क्षेत्र को कैसे बदला जा सकता है। दिलप्रीत जैसे किसान कृषि निर्यात में प्रमुख योगदानकर्ता बन सकते हैं। यह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उतरने वाले स्थानीय किसानों के सशक्तिकरण का प्रतीक है। बाजरा निर्यात 2021-22 में 62.95 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 75.45 मिलियन डॉलर हो गया।

न्यूज़ ब्रीफ

एक बार फिर कोर्ट पहुंचा अडानी-हिंडनबर्ग विवाद मामला, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की गई

नई दिल्ली । अमेरिका के शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग और गौतम अडानी समूह के विवाद का मामला एक बार फिर कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, शेयर बाजार नियामक सेबी की जांच को हरी झंडी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिटीशनर ने नई याचिका में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में गलतियां हैं और सेबी के रेगुलेटरी फेल्योर्स को भी नजरअंदाज किया गया है। पिटीशनर ने तर्क दिया है कि 3 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश की समीक्षा के पर्याप्त आधार हैं। सुप्रीम कोर्ट के कुछ सकारात्मक बयानों के बावजूद अडानी समूह ने सिक्योरिटीज लॉ का उल्लंघन किया है या नहीं, इसकी सेबी की जांच अभी भी जारी है। याचिकाकर्ता के मुताबिक सेबी ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में केवल 24 जांचों की स्थिति को पूर्ण या अपूर्ण के रूप में अपडेट किया है। जब तक सेबी जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट नहीं किया जाता है, तब तक यह तय नहीं किया जा सकता है कि कोई नियामक विफलता नहीं हुई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में सेबी को 3 महीने में जांच पूरी करने को कहा था। सेबी ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट में कहा कि 24 में से 22 जांच अंतिम थीं और 2 मामले की जांच हो रही है। सेबी के 22 मामले में शेयर की कीमतों में हेरफेर पर दो, संबंधित पार्टी लेनदेन (आरटीपी) का खुलासा करने में विफलता पर 13, अंदरूनी व्यापार नियमों के उल्लंघन पर पांच और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और अधिग्रहण पर नियमों के उल्लंघन पर एक-एक रिपोर्ट शामिल है।

रियल एस्टेट के दिवालिया होने पर भी बच जाएंगे ग्राहकों के घर

नई दिल्ली । भारतीय ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया बोर्ड (आईबीबीआई) ने मकान खरीदारों को बड़ी राहत प्रदान की है। आईबीबीआई ने परिसमापन नियमों में संशोधन करते हुए कहा है कि रियल एस्टेट परियोजना में जमीन या मकान खरीदने वाले को संपत्ति पर कब्जा दे दिया जाता है तो उस संपत्ति को परिसमापन प्रक्रिया से बाहर रखा जाएगा। हाल ही में जारी अधिसूचना में कहा गया है कि धारा 36 की उप-धारा (4) के उपबंध (ई) के अनुसार कर्ज लेने वाली कंपनी ने अगर रियल एस्टेट परियोजना में ग्राहक को संपत्ति पर कब्जा दे दिया है तो उस संपत्ति को कर्जदार के परिसमापन में शामिल नहीं किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियमन प्राधिकरण के एक पूर्व चेयरमैन ने कहा कि नियामक का यह कदम मकान खरीदारों के हित में है। कई ऐसे मामले हैं जहां संपत्ति ऋणशोधन अक्षमता में फंस गई और कब्जा नहीं मिला। आईबीबीआई को इस पर भी ध्यान देना चाहिए। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया नियामक ने 7 नवंबर, 2023 को जारी परामर्श पत्र में रियल एस्टेट से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं में दिवालिया मामले में ज्यादा बोलीदाताओं को आकर्षित करने के लिए अलग-अलग परियोजना के लिए दिवालिया प्रक्रिया अपनाने की बात कही।

इंडिगो ने बीओसी एविएशन के साथ किया समझौता, 4 नए एयरबस 320नियो एयर क्राफ्ट होंगे बेड़े में शामिल

नई दिल्ली। इंडिगो का विमान बेड़ा जल्द ही बड़ा होने वाला है। बीओसी एविएशन लिमिटेड और इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के बीच एक डील हुई है। इस डील के अनुसार अब इंडिगो में चार एयरबस विमान शामिल होंगे। सिंगापुर मुख्यालय वाली बीओसी एविएशन लिमिटेड ने कहा कि उसने इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के साथ एक वित्त पट्टा लेनदेन में प्रवेश किया है। चार एयरबस विमानों के लिए सौदे पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बीओसी एविएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक स्टीवन टाउनेंड ने कहा कि हमें इंडिगो के साथ अन्य चार विमान को शामिल करने में खुशी है। इंडिगो के मुख्य विमान अधिग्रहण और वित्तपोषण अधिकारी रियाज़ पीरमोहम्मद ने कहा उन्होंने आगे कहा कि ये विमान कंपनी की विस्तार योजनाओं का समर्थन करने और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में हमारी स्थिति को मजबूत करने में सहायक होंगे। इंडिगो में हम अपने ग्राहकों को अद्वितीय यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित हैं, और यह साझेदारी हमें अपने व्यापक 6ई नेटवर्क पर सस्ती, समय पर और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करना जारी रखने की अनुमति देगी।

जनवरी में थोक महंगाई घटकर 0.27 प्रतिशत पर आई

दिसंबर में ये 0.73 प्रतिशत पर थी, वजह खाने-पीने के सामानों के दाम घटना

नई दिल्ली।
भारत की थोक महंगाई जनवरी में घटकर 0.27 प्रतिशत पर आ गई है। दिसंबर में ये 0.73 प्रतिशत पर थी। वहीं नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत और अक्टूबर में -0.52 प्रतिशत रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतें घटने से महंगाई कम हुई है।

जनवरी में खाद्य महंगाई दर घटी

- खाद्य महंगाई दर दिसंबर के मुकाबले 5.39 प्रतिशत से घटकर 3.79 प्रतिशत रही है।
- रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 5.78 प्रतिशत से घटकर 3.84 प्रतिशत रही है।
- ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर -2.41 से बढ़कर -0.51 प्रतिशत रही है।
- मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर -0.71 प्रतिशत से घटकर -1.13 प्रतिशत रही है।

रिटेल महंगाई में भी आई थी गिरावट

इससे पहले 12 फरवरी को सरकार ने रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए थे। भारत की रिटेल महंगाई जनवरी 2024 में घटकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है। यह महंगाई का तीन महीने का निचला स्तर है। इससे पहले दिसंबर 2023 में महंगाई 5.69 प्रतिशत रही थी। वहीं नवंबर में यह 5.55 प्रतिशत, अक्टूबर में 4.87 प्रतिशत और सितंबर में 5.02 प्रतिशत रही थी।

डब्लूपीआई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

महंगाई कैसे मापी जाती है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75 प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02 प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23 प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86 प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07 प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

गूगल क्रोम से जुड़े खतरे को लेकर एक हाई रिस्क अलर्ट जारी

नई दिल्ली ।
अगर आप गूगल क्रोम का उपयोग करते हैं और अपने मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी डिवाइस में क्रोम ब्राउज़र का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। भारत सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पान्स टीम (सीईआरटी) ने गूगल क्रोम से जुड़े एक खतरे को लेकर एक हाई रिस्क अलर्ट जारी किया है। बता दें कि मौजूदा समय में करीब 66 फीसद सर्च मार्केट पर गूगल क्रोम की हिस्सेदारी है। ऐसे में सभी मोबाइल, लैपटॉप और कंप्यूटर यूजर्स को ध्यान देना चाहिए। सीईआरटी द्वारा जारी एक अलर्ट के मुताबिक इसके इस्तेमाल पर आपकी संवेदनशील जानकारी चोरी होने का खतरा है। केंद्र सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी सीईआरटी की मानें तो गूगल क्रोम में कई सारी खांमियां का पता लगाया गया है।

सीईआरटी की टीम ने गूगल क्रोम से जुड़े इस रिस्क की जानकारी दी है। सीईआरटी का मानना है कि गूगल क्रोम को रिमोटली कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही इसमें

आपकी संवेदनशील जानकारी चोरी होने का खतरा

मैलेशियस कोड डाला जा सकता है। इस तरह हैकर्स यूजर्स का संवेदनशील डेटा चुरा सकते हैं। सीईआरटी की ओर से सिक्योरिटी एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें वेब पेज पर अटैकर्स हमला कर सकते हैं। सीईआरटी के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) के लिए गूगल क्रोम ब्राउजर के वर्जन 122.0.6167.160/161 और इससे पहले के वर्जन में सिक्योरिटी रिस्क पाया गया है। वहीं मैक और लिनक्स ओएस में क्रोम वर्जन 122.0.6167.160 और उससे पहले का वर्जन प्रभावित है। अगर आप इस सिक्योरिटी रिस्क से सुरक्षित रहना चाहते हैं तो आप अपने गूगल क्रोम ब्राउजर को फटाफट अपडेट कर लें। गूगल ने सिक्योरिटी रिस्क में सुधार के लिए स्टेबल अपडेट की लिस्ट जारी की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को तीसरी तिमाही में हुआ जबरदस्त मुनाफा, कंपनी का रेवेन्यू 15 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली।
महिंद्रा एंड महिंद्रा दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। इस नतीजे में कंपनी ने बताया कि उनका टैक्स भुगतान करने के बाद भी मुनाफा 34 फीसदी बढ़ा है। अब यह 2,658 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी के प्रॉफिट में आई तेजी की वजह मजबूत बिक्री है।

पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का पैट 1,984 करोड़ रुपये था।

प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स के अलावा कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि दिसंबर तिमाही नें कंपनी का रेवेन्यू 15 फीसदी बढ़कर 35,299 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 30,621 करोड़ रुपये था।

एमएंडएम के प्रबंध निदेशक और सीईओ अनीश शाह ने कहा

इसके आगे वह कहते हैं कि टेक महिंद्रा चुनौतीपूर्ण परिचालन परिणामों के माध्यम से काम कर रहा है लेकिन मुझे अच्छा लगता है कि इसके प्रदर्शन को बदलने के लिए सही कदम उठाए जा रहे हैं।

कंपनी ने भारत के सबसे बड़े नवीकरणीय इनविट की लिस्टिंग और प्रमुख निवेशकों के साथ साझेदारी के साथ अपने विकास रत्नों में मूल्य अनलॉक करने की यात्रा जारी रखी है।

पैरामाउंट ग्लोबल तकरीबन 800 कर्मचारियों की करेगा छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।
ब्रॉडकास्ट और केबल टीवी नेटवर्क के मालिक पैरामाउंट ग्लोबल ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। मीडिया दिग्गज लागत कम करने और राजस्व बढ़ाने पर विचार कर रहा है।मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉब बाकिश ने कर्मचारियों को एक इंटरनल मेमो में छंटनी के बारे में जानकारी दी। हालांकि सीईओ ने यह नहीं बताया कि इस छंटनी से कितने कर्मचारी प्रभावित होंगे।

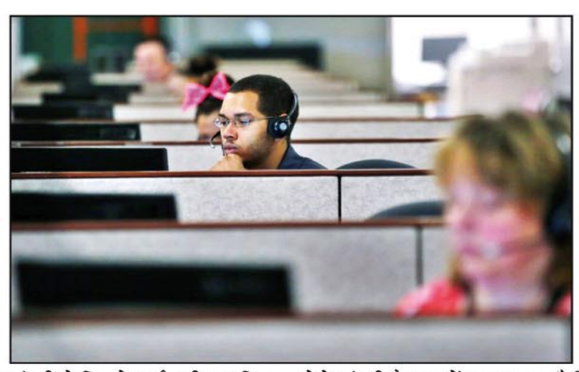

सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 800 कर्मचारी, या कंपनी के कार्यबल का लगभग तीन प्रतिशत प्रभावित होंगे।

यह घोषणा इसके सीबीएस नेटवर्क द्वारा रिकॉर्ड तोड़ विज्ञापन बिक्री और हाई रेटिंग वाले सुपर बाउल टेलीकास्ट के कुछ ही दिनों बाद आई है।

बाकिश ने मेमो में कहा कि ताजा छंटनी से दुनिया भर के कर्मचारी प्रभावित होंगे।

सीईओ ने लिखा, ये समायोजन हमें अपनी गति को बनाए रखने और आने वाले साल के लिए अपनी स्ट्रैटेजिक विजन को क्रियान्वित करने में सक्षम बनाने में मदद करेंगे और मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे पास उत्साहित होने के लिए बहुत कुछ है।

मीडिया कंपनी ने 25 जनवरी के ज्ञापन में कर्मचारियों को कटौती की चेतावनी दी थी। बाकिश ने उस समय कहा था कि पैरामाउंट ग्लोबल को एक ऐसे कंपनी के रूप में काम करना है जिससे खर्च कम हो सके।

पैरामाउंट ग्लोबल के पास सीबीएस, पैरामाउंट पिक्चर्स, प्लूटो टीवी, पैरामाउंट प्लस और केबल नेटवर्क हैं, जिनमें निकलोडियन, बीईटी और कॉमेडी सेंट्रल शामिल हैं।

इस बीच, ग्लोबल म्यूजिक एंटरटेनमेंट कंपनी वार्नर म्यूजिक ग्रुप ने अगले दशक में अपने 10 प्रतिशत कार्यबल यानी लगभग 600 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है।

द हॉलीवुड रिपोर्टर की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश प्रभावित कर्मचारी कंपनी के स्वामित्व और संचालित मीडिया प्रॉपर्टीज, कॉर्पोरेट और अलग-अलग सपोर्ट फंक्शन के साथ-साथ इसके इन-हाउस ऐड्स सेल्स फंक्शन में होंगे।

एसयूवी की मजबूत मांग से यात्री वाहन बिक्री 3.93 लाख के पार, सभी प्रकार के वाहनों की बिक्री जनवरी में बढ़ी

नई दिल्ली ।
देश में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की मजबूत मांग के दम पर जनवरी, 2024 में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर 13 फीसदी बढ़कर 3,93,250 इकाई पहुंच गई। जनवरी, 2023 में खुदरा बाजार में कुल 3,47,086 यात्री वाहन बिके थे।

आंकड़ों के मुताबिक, सभी प्रकार के वाहनों की कुल खुदरा बिक्री जनवरी में सालाना अधार पर 15 फीसदी बढ़कर 21,27,653 इकाई पहुंच गई। जनवरी, 2023 में कुल 18,49,691 वाहन बिके थे। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि वाहनों के नए मॉडल पेश होने, अधिक उपलब्धता, प्रभावी मार्केटिंग, ग्राहकों के लिए विभिन्न प्रकार की स्कीम और शादियों के मौजूदा सीजन में एसयूवी की मजबूत मांग से पीवी की बिक्री में तेजी देखने को मिली है।

पीवी की इन्वेंट्री चिंता का विषय

सिंघानिया ने कहा कि रिकॉर्ड बिक्री के बावजूद यात्री वाहनों की इन्वेंट्री गंभीर चिंता का विषय है, जो 50-55 दिन है। वास्तविक बाजार की मांग के साथ बेहतर तालमेल बैठाने और भविष्य में 'अत्यधिक आपूर्ति' के मुद्दों से बचने के लिए मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) से उत्पादन को लेकर फिर से विचार-विमर्श करने की जरूरत है। ओईएम को निरंतर सफलता और समग्र बाजार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उत्पादन योजना के साथ नवाचार को संतुलित करना चाहिए।

मुंद्रा पोर्ट और गढ़ी हरसरू से भी अब आयात हो सकेंगे नए वाहन, सरकार ने दी मंजूरी

सरकार ने मुंद्रा पोर्ट और गढ़ी हरसरू इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) के जरिये भी नए वाहनों के आयात की मंजूरी दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी है। दो नए टर्मिनलों के जुड़ने के साथ नए वाहनों के आयात की अनुमति देने वाले बंदरगाहों और आईसीडी की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। गढ़ी हरसरू आईसीडी गुरुग्राम के पास है। 18 सीमा शुल्क बंदरगाहों में नौ समुद्री पोर्ट (न्हावा शेवा, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, एन्नोर, कोचीन, कट्टुपल्ली, एपीएम टर्मिनल पिपावाव, कृष्णापत्तनम, विशाखापत्तनम, मुंद्रा) शामिल हैं। तीन हवाईअड्डे (मुंबई एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, दिल्ली एयर कार्गो, चेन्नई हवाईअड्डा) और चार आईसीडी (तलेगांव, तुगलकाबाद, फरीदाबाद और गढ़ी हरसरू) भी हैं।

सोना और चांदी के भाव में गिरावट, सोने के वायदा भाव 62 हजार, चांदी लगभग 70 हजार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62 हजार और चांदी 70 हजार रुपये से नीचे चले गए हैं। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले थे। लेकिन कारोबार के अंत में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 111 रुपये की गिरावट के साथ 61,393 रुपये के भाव पर खुलकर 74 रुपये की गिरावट के साथ 61,430 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 139 रुपये की गिरावट के साथ 69,500 रुपये के भाव पर खुला और 265 रुपये की गिरावट के साथ 69,374 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,006.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,007.20 डॉलर था। फिलहाल यह 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,005.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव 22.17 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.15 डॉलर था। फिलहाल यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 22.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इस्लामाबाद में टेनिस खिलाड़ी के साथ बड़ा हादसा, अभ्यास सत्र के बाद पड़ा दिल का दौड़ा! कमरे में मौत

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में एक युवा टेनिस खिलाड़ी के साथ बड़ा हादसा हुआ। इस्लामाबाद में आईटीएफ जूनियर टूर्नामेंट से पहले अभ्यास सत्र के बाद अपने कमरे में गिरने से जैनब अली नकवी की मौत हो गई। 17 वर्षीय किशोर ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अभ्यास के बाद जब जैनब कमरे में लौटी थीं तब उनके साथ उनकी दादी थी। जैनब के बेहोश होने के बाद उनकी दादी ने मदद मांगी थी।

पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने इस घटना पर दुख जताया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह बहुत दुखद है क्योंकि जैनब महिला सर्किट पर एक बहुत ही आशाजनक खिलाड़ी थीं। वह आईटीएफ जूनियर प्रतियोगिताओं को जीतने के लिए उत्साहपूर्वक कड़ी मेहनत कर रही थीं। मामले को संभाल रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद के एक अस्पताल में लाए जाने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टरों को इस बात का संदेह

पुलिस अधिकारी ने कहा, डॉक्टरों को दिल का दौरा पड़ने का संदेह है और उन्होंने इसे मौत का स्वाभाविक कारण बताया है। उनके माता-पिता भी पोस्टमार्टम नहीं चाहते थे और उन्हें कराची वापस ले जाने के लिए खिलाड़ी का शव सौंप दिया गया है। पीटीएफ अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि डॉक्टरों को संदेह है कि यह 'हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी' का मामला है जिसमें हृदय की मांसपेशियां मोटी हो जाती हैं।

पीटीएफ ने जारी किया बयान

घटना पर अपने आधिकारिक बयान में पीटीएफ ने युवा खिलाड़ी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटना से गहरा दुख हुआ है। इसमें कहा गया, पाकिस्तान टेनिस महासंघ के अध्यक्ष ऐसाम उल हक कुरैशी, सीनेटर सलीम सैफुल्ला खान, पूर्व अध्यक्ष पीटीएफ, पीटीएफ परिषद के सदस्य और बड़े पैमाने पर टेनिस बिरादरी शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते ।.मृत खिलाड़ी के सम्मान में आईटीएफ इवेंट के सभी मैच बुधवार के लिए पुनर्निर्धारित किए गए।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम को बचे हुए मैचों में कड़ी टक्कर देगी इंग्लैंड : इयान चैपल

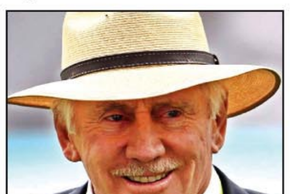

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल के अनुसार भारतीय क्रिकेट टीम को टेस्ट सीरीज के बचे हुए तीन मुकाबलों में इंग्लैंड से कड़ी टक्कर मिलेगी। चैपल ने हालांकि कहा कि घरेलू हालातों का लाभ भारतीय टीम को मिलेगा और वह हावी रहेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। इयान चैपल ने कहा, 'घरेलू टीम होने के नाते भारत को अंत में इस कठिन सीरीज में जीत मिलनी चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा, 'स्टोक्स की कप्तानी में आक्रामक रुख वाली ये इंग्लैंड की टीम इससे पहले की जो रूट की कप्तानी वाली टीम से कहीं बेहतर है। रुट की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम को भारत के खिलाफ 2021 में सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। चैपल ने कहा, 'भारत मजबूत टीम है और उनके पास रोहित शर्मा के रूप में एक अच्छा कप्तान है। रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम बेहतर होगी पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के नहीं खेलने से उसे झटका लगेगा।' उन्होंने लिखा, 'उम्मीद है कि चयनकर्ता अब मध्यक्रम के बल्लेबा श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी क्षमता को जरुरत से अधिक महत्व देना बंद कर किसी और बल्लेबाज को अवसर देंगे। इसके साथ ही वे कुलदीप यादव की विकेट लेने की क्षमता को भी ज्यादा अहमियत देना सीखेंगे।' साथ ही कहा दोनो टीमों के बीच उसी प्रकार मुकाबले हो रहे हैं जैसी उम्मीद थी।

टॉपले सहित कई दिग्गज पाक सुपर लीग में नजर नहीं आयेंगे

कराची । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को करार झटका लगा है। इसका कारण है कि कुछ क्रिकेट बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के दूसरे देशों में घरेलू टी20 लीग खेलने पर रोक लगा दी है। वहीं कई क्रिकेरों ने चोटिल होने के कारण पीएलएल में नहीं खेलने का फैसला किया है। पीएसएल 17 फरवरी से लाहौर में शुरू हो रहा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपले चोटिल होने के कारण ट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले नये खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी कहा कि उसने टॉपले को पीएसएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया है। कुछ अन्य बोर्ड भी पीएसएल के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी पेशावर जाल्मी की ओर से नहीं खेल पायेंगे। इसके अलावा क्वेटा ग्लैडिएटर्स को श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के बिना ही मैदान में उतरना होगा। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर शाई होप, मैथ्यू फोर्ड और अकील हुसैन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शमशी और रासी वान डेर डुसेन भी पीएसएल के आगामी सत्र में नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड के जेम्स विंस और अफगानिस्तान के नूर अहमद तथा नवीन उल हक भी इस पूरे टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे। कई दिग्गजों के बाहर रहने के कारण पीएसएल की एक फ्रेंचाइजी के मालिक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से इस टूर्नामेंट के आयोजन का समय बदलने को कहा है।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में मंधाना ने लगायी लंबी छलांग

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। मंधाना हाल में किये अच्छे प्रदर्शन के बल पर दो पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं पहले तीन स्थानों पर इंग्लैंड की नैट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की चमारी अथापत्थु और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी कायम हैं। मंधाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने मुंबई में हुए मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे उनकी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं एशले गार्डनर तीन स्थान नीचे आकर 22वें नंबर पर जबकि फोएबे लीचफील्ड भी दो स्थान नीचे आई हैं। वहीं ताहलिया मैकग्राथ बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ से 30वें नंबर पर आ गयी हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट की भी रैंकिग नीचे आयी है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 2.33 के औसत से केवल सात रन ही बना पायीं। इससे मंदाना को लाभ हुआ। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर एलिज-मैरी मार्क्स की रैंकिंग ऊपर आयी है। वह ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 34 स्थान की बढ़त के साथ ही 75वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार, पेश करेगा दावेदारी, खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का बयान

नई दिल्ली ।
केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत पूरी ताकत के साथ ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करेगा। उन्होंने कहा कि भारत खेलों को देश में लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खेल मंत्री की टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने के सरकार के इरादों के संकेत के बाद आई है। पीएम मोदी ने पिछले साल मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के दौरान अपनी राय रखी थी।

भारत ने पहले कभी भी ओलंपिक खेलों की मेजबानी नहीं की है। गुजरात में चार संभावित स्थलों की पहचान की गई है। हालांकि, पीएम मोदी ने पिछले अक्तूबर में आईओसी सत्र में अपने संबोधन के दौरान किसी उम्मीदवार शहर का उल्लेख नहीं किया था। भारत ने पिछली बार 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। भारत ने 2017 में अंडर-17 फीफा विश्व कप की भी मेजबानी की, लेकिन ओलंपिक खेलों जैसे आयोजन की मेजबानी के लिए कई हितधारकों के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता होगी।

अनुराग ठाकुर ने क्या कहा

अनुराग ठाकुर ने कहा, 2036 ओलंपिक के लिए भारत को तैयार रहने की जरूरत है। ओलंपिक का आयोजन करना बहुत बड़ी बात होगी और भारत इसके लिए तैयार है। जब भी बोली प्रक्रिया शुरू होगी, भारत निश्चित रूप से पूरी ताकत के साथ बोली लगाएगा और भारत में ओलंपिक का आयोजन करेगा।

अभी हमें काफी आगे जाना है: खेल मंत्री

खेल मंत्री ने यह भी कहा, प्रयास हमें करना चाहिए बेहतर सुविधाएं और संसाधन देने का और खिलाड़ियों को खेलने पर पूरी ताकत लगानी चाहिए। टॉप्स योजना से खिलाड़ियों को बोर्डिंग, लॉजिंग, ट्रेनिंग और साथ में जेब खर्च के लिए छह लाख रुपये अलग से मिलता है। जो खेलों इंडिया एथलीट हैं उनको भी छह लाख 20 हजार रुपये अलग से मिलता है। इससे उनके परिवार को कोई खर्चा नहीं उठाना पड़े और खिलाड़ी आगे बढ़ें। इससे भारत के खिलाड़ियों ने देश और विदेशों में जाकर ट्रेनिंग ली। इसी से तो एशियन और पैरा एशियन गेम्स में भारत ने कुल मिलाकर 218 पदक जीते थे। मैं तो यही कहूंगा कि यह सिर्फ शुरुआत है। अभी हमें काफी आगे जाना है।

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, 2036 ओलंपिक के आयोजन के लिए भी भारत को कमर कसनी है। हमने 44वें फिडे शतरंज ओलंपियाड तो करवाया था लेकिन ओलंपिक का आयोजन करना अपने आम में भव्य होगा। भारत इसके लिए तैयार है। जब भी बोली लगाई जाएगी भारत पूरी ताकत से बोली लगाएगा और ओलंपिक का आयोजन भारत में करेगा।

2029 में युवा ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा भारत

आईओसी सत्र में अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत 2029 में युवा ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा। यह ओलंपिक के लिए ड्रेस रिहर्सल का काम करेगा। पेरिस अगस्त में 2024 ओलंपिक की मेजबानी करेगा। वहीं, लॉस एंजिल्स 2028 खेलों के लिए मेजबान शहर की बोली की दौड़ में आगे निकल गया। ब्रिसबेन को बिना किसी प्रतिद्वंद्वी बोली के 2032 में ओलंपिक मेजबान के रूप में घोषित किया गया था। लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन दोनों को खेलों की तैयारी के लिए 11 साल का समय मिला है क्योंकि उनकी बोलियां क्रमशः 2017 और 2021 में पुष्टि की गई थीं।

कब होता है मेजबान का चयन

ओलंपिक बोली चुनने के लिए कोई निश्चित चुनाव चक्र नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को प्रत्येक संभावित मेजबान की प्राकृतिक गति के अनुकूल होने, ओलंपिक खेलों के लिए सही समय पर सही परियोजना और भागीदार लाने और ओलंपिक आंदोलन के लिए रणनीतिक लाभ सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। समय वैश्विक घटनाओं सहित कई कारकों पर निर्भर करता है।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का बड़ा निर्णय, भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता बहाल

नई दिल्ली ।
यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता बहाल कर दी है। पिछले साल अगस्त में महासंघ की सदस्यता अनिश्चित काल के लिए रद्द कर दी गई थी। इसके पीछे अध्यक्ष पद के चुनाव ना होने की वजह सामने आई थी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की तरफ से इस संबंध में जारी किए गए बयान में बताया गया कि पिछले साल अगस्त में भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता निलंबित की गई थी। यूडब्ल्यूडब्ल्यू की तरफ से कहा गया, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने पिछले साल 23 अगस्त को भारतीय कुश्ती महासंघ को अस्थायी निलंबन के तहत रखा था क्योंकि भारतीय संस्था तय समय पर चुनाव कराने में विफल रही थी। यूडब्ल्यूडब्ल्यू अनुशासनात्मक चैंबर ने फैसला किया कि उसके पास निकाय पर अनंतिम निलंबन लगाने के लिए पर्याप्त आधार थे क्योंकि महासंघ में स्थिति कम से कम छह महीने तक बनी रही।

नौ फरवरी की बैठक में हुए ये निर्णय - निलंबन की समीक्षा के लिए नौ फरवरी को हुई एक बैठक में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के अधिकारियों ने कुछ शर्तों के तहत निलंबन हटाने का निर्णय लिया। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारतीय कुश्ती महासंघ को अपने एथलीट आयोग के चुनाव दोबारा कराने के निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि इस आयोग के लिए उम्मीदवार सक्रिय एथलीट होंगे या चार साल से अधिक समय से सेवानिवृत्त नहीं होंगे। मतदाता विशेष रूप से एथलीट होंगे। ये चुनाव एक जुलाई 2024 के बाद किसी वरिष्ठ राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान होंगे। इस आदेश में आगे कहा गया, डब्ल्यूएफआई को तुरंत यूडब्ल्यूडब्ल्यू को लिखित गारंटी देनी होगी कि सभी पहलवानों को सभी डब्ल्यूएफआई आयोजनों विशेष रूप से ओलंपिक खेलों और किसी भी अन्य प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए बिना किसी भेदभाव के भाग लेने की अनुमति होगी।

बचे हुए टेस्ट मैचों में दिखेंगे स्पिनरों के सहायक विकेट : कुलदीप

राजकोट ।
भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो ही मैचों में तेज गेंदबाजों को अधिक सहायत मिली पर बचे हुए मैचों में हमें स्पिनरों के सहायक टर्निंग विकेट मिल सकते हैं। कुलदीप ने गुरुवार से होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले कहा कि सीरीज के बचे हुए तीन मैचों में टर्निंग विकेट हो सकते हैं। कुलदीप के अनुसार पहले दो टेस्ट मैचों के लिए तैयार किए गए विकेट अच्छे थे और उनमें जिस प्रकार से परिणाम निकले वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है, इस दौरान तेज गेंदबाजों को ही अधिक सहायता मिली। दोनो ही देशों के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। तीसरा टेस्ट मैच गुरुवार से राजकोट में खेला जाएगा।

कुलदीप ने कहा, 'इस सीरीज में सभी बातें अहम रही हैं। तेज गेंदबाज ठीक से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए जीवंत विकेट होना क्रिकेट के लिए लाभदायक रहा पर कहा कि आने वाले मुकाबलों में टर्निंग विकेट भी आपको मिल सकते हैं, इससे स्पिनर हावी रहेंगे।

इस सीरीज में इंग्लैंड ने आक्रामक रणनीति बनाते हुए पहला टेस्ट जीता जबकि भारतीय टीम ने दूसरा मैच जीतकर बराबरी हासिल की। इन दोनो ही मैचों में विकेट से स्पिनरों को सहायता नहीं मिली। कुलदीप से जब पूछा गया कि पहले दो टेस्ट मैच के लिए स्पिनरों के अनुकूल विकेट तैयार क्यों नहीं किए गए। इसपर उन्होंने कहा,

'मुझे पता नहीं। मैं पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक विकेट पर नहीं खेला हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदानों पर खेली गई पिछली सीरीज में भी शामिल नहीं था।

कुलदीप ने कहा कि इंग्लैंड का बल्लेबाजी में आक्रामक रवैया टेस्ट क्रिकेट को देखते हुए सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आप बल्लेबाजी में इस तरह के आक्रामक रवैए के आदी नहीं होते हो। वहीं ऐसी स्थिति में स्पिनर को गेंदबाजी के दौरान अधिक ध्यान केंद्रित करना पड़ता है।

23 फरवरी से होंगे वेटरन प्रीमियर लीग मुकाबले, रैना, गेल और गिब्स भी खेलेंगे

मुम्बई ।
भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के प्रशंसक अब उन्हें एक बार फिर खेलते हुए देख सकेंगे। रैना 23 फरवरी से शुरु हो रही इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए वीवीआईपी उत्तर प्रदेश के कप्तान बनाये गये हैं। इस टूर्नामेंट में पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, मुनाफ पटेल, क्रिस गेल और हर्शल गिब्स भी खेलेंगे। सहवाग, गेल और गिब्स इस टूर्नामेंट में मुंबई चैंपियंस, तेलंगाना टाइगर्स और रेड कार्पेट दिल्ली की कप्तानी करेंगे। यह टूर्नामेंट 23 फरवरी से 3 मार्च 2024 तक खेला जाएगा।

आईपीएल में सीएसके टीम के सदस्य रहे रैना इसमें अपनी टीम की ओर से पीली जर्सी पहने दिखेंगे । रैना ने कहा कि वह टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मैं इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। मैं वीवीआईपी उत्तर प्रदेश के लिए उपस्थित होऊंगा। यह एक बार फिर बड़े दिग्गजों के साथ खेलने का अवसर है। आईवीपीएल का आयोजन भारतीय अनुभवी क्रिकेट बोर्ड (बीवीसीआई) द्वारा किया जा रहा है। बीवीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने कहा कि दिग्गज क्रिकेटर इस खेल को जनता के बीच और अधिक लोकप्रिय बनाएंगे। सुरेश रैना को बोर्ड में शामिल करना खुशी की बात है और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखकर खुश होंगे। इस लीग में वीवीआईपी उत्तर प्रदेश, राजस्थान लीजेंड्स, रेड कार्पेट दिल्ली, छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, तेलंगाना टाइगर्स और मुंबई चैंपियंस जैसे टीमें उतरेंगी।

न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का एलान, घातक गेंदबाज की हुई वापसी

नई दिल्ली ।
न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की नवंबर 2022 के बाद पहली बार टीम में वापसी हुई है। बोल्ट दूसरे और तीसरे मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बोल्ट को शामिल करके टिम साउथी के कार्यभार प्रबंधन का ख्याल रखा जाएगा। बहरहाल, बोल्ट के अलावा रचिन रवींद्र और जोश क्लार्कसन को 14 सदस्यीय स्क्वाड में जगह मिली है। केन विलियमसन पैतृक छुट्टी पर हैं जबकि डैरिल मिचेल पैर में चोट के कारण सीरीज से बाहर हैं। इस वजह से क्लार्कसन के लिए जगह बनी। उम्मीद है कि ऑलराउंडर क्लार्कसन को डेब्यू करने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड का टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए स्क्वाड - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, ट्रेंट बोल्ट (दूसरे और तीसरे मैच), मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन*, डेवोन कॉनवे, लोकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, एडम मिलने, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी और टिम साउथी (पहला मैच)।

माइकल ब्रेसवेल और जिमी नीशम चोटों के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए मिचेल सैंटनर न्यूजीलैंड की कमान संभालते हुए नजर आएंगे। सैंटनर की कप्तानी में हाल ही में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 4-1 से धोया था। न्यूजीलैंड ने बेन सियर्स की जगह लोकी फर्ग्युसन को वापस बुलाया है।

ऑस्ट्रेलिया का भी मजबूत स्क्वाड - ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी, जिसमें पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की वापसी हुई है। इन तीनों ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच टी20 वर्ल्ड कप 2022 में खेला था। मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें डेविड वॉर्नर भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया का टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए स्क्वाड - मिचेल मार्श (कप्तान), पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन ऐलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर और एडम जंपा।

वॉर्नर ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ट्रॉफी प्रशंसक को दी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। वार्नर ने इस सीरीज में दो अर्धशतक लगाये थे। उनके इस प्रदर्शन उनकी टीम सीरीज में 2-0 की जीत दर्ज करने में सफल रही। वार्नर ने इसके बाद अपना प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड एक क्रिकेट प्रशंसक को दे कर सभी का दिला जीता। वार्नर ने मैच के बाद कहा कि सभी का प्रदर्शन अच्छा रहा। इससे उन्हें आगामी टी20 विश्व कप के लिए तैयार होने के लिए समय मिल गया है। साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज में सीमा रेखा बहुत बड़ी नहीं हैं। मैं बहुत अच्छा हूं और सच में, हमारे पास बहुत सारे युवा हैं, अब उनके लिए काम करने का समय आ गया है। तीसरे मुकाबले में मेहमान टीम वेस्टइंडीज ने पहले खेलते हुए 220 रन बनाये। इसके जवाब में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम वार्नर के 81 रनों के बावजूद 183 रन ही बना पाई। इस प्रकार विंडीज को 37 रनों से इस मैच में जीत मिली। वहीं सीरीज के पहले 2 मुकाबले में उन्हें हार झेलनी पड़ी थी। वेस्टइंडीज की जीत में ऑलराऊंडर रोस्टन चेज के अलावा आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही। रसेल ने बल्लेबाजी करते हुए 7 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए।

नवजात की साफ-सफाई का यूं रखें ध्यान, नहलाते समय न करें ये 5 गलतियां

साफ-सुथरे बच्चे किसे नहीं पसंद. अक्सर नवजात बच्चों को साफ करना मुश्किल काम हो जाता है. एक तो वे नाजुक इतने होते हैं ऊपर से बार-बार नेपी में ही सुसु करने से कई बार उनके पास नमी ज्यादा हो जाती है, जिससे एक अजीब तरह की गंध पैदा होती है. ऐसे में माता-पिता अपने नवजात को नहला कर उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि नन्हें बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखना चाहिए ख्याल... माना की शिशु बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं, लेकिन कई बार सही तरीके से या सावधानियां न बरत कर उन्हें नहलाने पर यह और बुरा साबित होता है.

चलिए एक नजर उन बातों पर जो एक नन्हें शिशु को नहलाते हुए आपको रखनी चाहिए ध्यान-

स्टंप से न करें छेड़छाड़

बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाभी से जुड़ी प्लेसेंटा की कोड को काट कर अलग किया जाता है. इसके बाद बच्चे की नाभि के पास बचे कोड के भाग को स्पंट लगा कर खून के बहाव का रोका जाता है. जैसे जैसे बच्चा बड़ा होता है यह स्टंप सूख कर खुद ही गिर जाता है. लेकिन नवजात को नहलाते समय इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. उसे ज्यादा न छेड़ें और खुद से हटाने की कोशिश तो बिलकुल भी न करें. ताजा स्टंप पर पानी ड़ालने से भी बचना चाहिए. उसके आसपास के भाग को कॉटन से सावधानी से साफ करें.

वर्निक्स है जरूरी

जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी त्वचा पर एक चिकना और सफेद पदार्थ होता है. इसे वर्निक्स कहते हैं. यह आपके बच्चे की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है. वर्निक्स को बच्चे के जन्म के कम से कम छह घंटे बाद तक उसके शरीर पर रखें. वर्निक्स जन्म के बाद बच्चे की त्वचा के लिए प्राकृतिक कोट का काम करता है.

बहुत गर्म पानी से करें परहेज

क्योंकि नवजात बच्चे की त्वचा बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए उसे बहुत गर्म पानी से न नहलाएं. इससे बच्चे की त्वचा पर रैशेस हो सकते हैं. बच्चे को नहलाने से पहले पानी को अपने हाथ पर ड़ालकर देख लें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है. उसके बाद ही बच्चे को नहलाएं.

उत्पादों का सही इस्तेमाल

हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छा दिखे. कई बार इसलिए ही वे शिशु उत्पादों का अधिक इस्तेमाल भी कर लेते हैं. लेकिन इस आदत से बचने की जरूरत है. हालांकि कुछ चीजों का इस्तेमाल तो जरूरी होता है, लेकिन कई चीजें हम बस यूं ही ले लेते हैं. बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है, उस पर अधिक उत्पादों का इस्तेमाल करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है.

बार-बार नहलाना

माना कि आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें ड़ालना चाहते हैं और इन्हीं आदतों में से एक ही बच्चे को रोज नहाने की आदत हो. लेकिन यह आदत ड़ालने के लिए अभी आपको पास बहुत समय है. नवजात को रोज-रोज नहलाना जरूरी नहीं. आप उन्हें साफ करने के लिए बेबी वाइप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. ज्यादा बार या बार-बार नहलाने से बच्चे की त्वचा पर मौजूद कोट को नुकसान पहुंच सकता है.

ताकि आप दिखें खूबसूरत, यूं मेकअप का असर रहेगा देर तक...

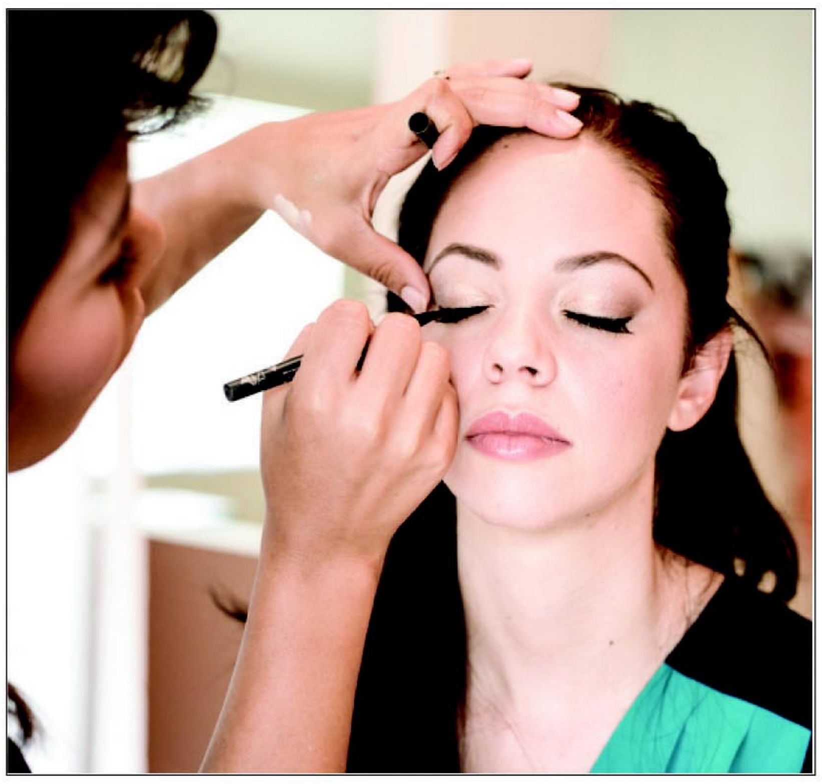

मेकअप में फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको अच्छा या बुरा दोनों दिखा सकता है. यह आपके प्रयोग के तरीके पर निर्भर करता है. फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें और फाउंडेशन को हल्के पाउडर की मदद से सेट करें. फाउंडेशन लगाने के कुछ सुझावों पर एक नजर डालें

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व फेसवॉश से चेहरा और हाथ अच्छी तरह धुलें. तैलीय त्वचा वाले चाय पत्ती के तेल, नीम के गुणों और सैलीसिलिक एसिड वाले फेसवॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा शुष्क हुए बिना अच्छी तरह साफ हो जाए.

» उंगलियों की मदद से फाउंडेशन न लगाएं. फाउंडेशन ब्रश अपनाएं. यह आपकी त्वचा को कीटाणु मुक्त रखने में मददगार है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें. ऐसा करने से फाउंडेशन देर तक टिका रहेगा. प्राइमर चेहरे को केमिकल के संपर्क में आने से बचाता है और इससे आपका चेहरा स्वस्थ दिखता है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व मॉश्चराइजर , सनस्क्रीन या प्राइमर लगाएं और इसे दो मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें. अगर आपको लगता है कि ऐसा करने से आपकी त्वचा तैलीय लग रही है, तो मुलायम टिश्यू से चेहरा पोछ लें.

» उसके बाद गाल, माथे, ठुड्डी और नाक के ऊपर फाउंडेशन की डॉट लगाएं. पूरे चेहरे पर फाउंडेशन न लगाएं. याद रहे फाउंडेशन लगाने का उद्देश्य चेहरे को ढंकना नहीं, बल्कि चेहरे के कम उजले हिस्से को निखारना है.

» अब चेहरे पर लगाई गई फाउंडेशन की डॉट को ब्रश की मदद से अच्छे से फैला लें.

» फाउंडेशन को हल्के पाउडर से सेट करें. ऐसा करने से आपका लुक नेचुरल लगेगा. पूरे चेहरे पर पाउडर लगाने की जरूरत नहीं है.

आंखों को बनाएँ स्मोकी ताकि सभी आंखें आप पर ठहर जाएँ

चेहरे की खूबसूरती में सबसे बड़ा योगदान होता है आंखों का। बहुत से गीतकारों और शायरों ने भी आंखों की खूबसूरती के लिए बहुत से गीत व शायरी लिखी हैं। हर महिला चाहती है कि उसकी आंखें हमेशा आकर्षक व मनमोहक लगें और इसके लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। आजकल तो स्मोकी आईज का बेहद ही चलन है। आपकी आंखें चाहें किसी भी प्रकार की हों, स्मोकी आईज मेकअप बेहद ही खूबसूरत व अटैक्टिव लगता है। स्मोकी आईज मेकअप किसी भी पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। यह स्मोकी आईज मेकअप आपको एकदम स्टाइलिश दिवा का लुक देती है। इस मेकअप की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह इंडियन ड्रेसेज से लेकर वेस्टर्न सभी पर अच्छी लगती है।

करें एक्सपेरिमेंट

वैसे तो स्मोकी आई मेकअप करने का अपना ही एक तरीका होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस एक्सपेरिमेंटल युग में स्मोकी आई मेकअप में कुछ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ समय पहले तक जहां स्मोकी आईज मेकअप के लिए सिर्फ ब्लैक या ग्रे कलर के आईशेडोज को ही तवज्जो दी जाती थी, वहीं अब कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट किया जाने लगा है। आजकल वर्ल्डवाइड ब्लैक व ग्रे के अतिरिक्त पर्पल, ब्लू व डार्क ब्राउन कलर्स का इस्तेमाल भी काफी बड़ी रेंज में किया जाने लगा है। आप दो शेड्स के कलर्स के आईशैडो भी यूज करके स्मोकी लुक क्रिएट कर सकती हैं। लेकिन कलर्स का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि वह मैट फिनिश ही हो। इस प्रकार के कलर आपको एक अलग लुक ही प्रदान करते हैं।

स्किन टोन पर लगे सही

जब भी बात मेकअप ही होती है तो आपको कोई भी लुक, कलर या एसेसरीज का इस्तेमाल करते समय अपने चेहरे व स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है। कहते हैं कि हर प्रकार की महिला पर एक-सा मेकअप अच्छा नहीं लगता। ठीक इसी प्रकार, ऐसा जरूरी नहीं है कि स्मोकी आईज मेकअप करते समय दो महिलाओं पर एक ही शेड्स फबेंगे। यदि आपका रंग थोड़ा गेंहूआ या सांवला है तो बेहतर होगा कि आप ब्लैक या ब्लू कलर से दूरी बना कर रखें। इस स्किन टोन की महिलाओं पर ब्राउन कलर अधिक अच्छा लगता है। वहीं जिन महिलाओं का रंग गोरा है, वह किसी भी शेड्स का चयन कर सकती हैं।

फिनिशिंग है मस्ट

स्मोकी आईज मेकअप करते समय जितना ध्यान कलर्स का रखना होता है, उतना ही फिनिशिंग भी जरूरी है। स्मोकी आईज मेकअप करने का मतलब यह है कि आपके फेस का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन आपकी आंखें ही हैं। ऐसे में उसे सही प्रकार की फिनिशिंग देना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आप आईलाइनर सहित काजल व मस्कारा का सहारा ले सकती हैं। यदि आपने मेकअप करते समय मस्कारा अप्लाई नहीं किया तो आपकी आंखों का मेकअप अधूरा ही रह जाएगा और आप मनचाहा परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगी।

फेस मेकअप भी परफेक्ट

कोई भी मेकअप करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप अपने लिप्स या आंखों में से किसी एक पर ही फोकस रखें। मसलन, अगर आप ब्राइट लिपस्टिक यूज कर रही हैं तो आपका आईमेकअप लाइट होना चाहिए। वहीं अगर आप अपनी आंखों पर स्मोकी मेकअप अप्लाई कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने फेस का बाकी मेकअप न्यूड ही रखें। फिर चाहे बात फाउंडेशन की हो या ब्लशर की, इन्हें बहुत हल्का ही इस्तेमाल करें। वहीं यदि आपके लिप्स यदि नेचुरली पिंक हैं तो आपके लिए सिर्फ ग्लॉस लगाना ही पर्याप्त रहेगा। अगर आप फिर भी लिपस्टिक इस्तेमाल करना चाहती हैं तो किसी भी लाइट कलर की मैट फिनिश लिपस्टिक का ही चयन करें। आईज व लिप्स दोनों पर डार्क कलर्स अप्लाई करने से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब-सा लगने लगता है।

एलोवेरा के ये नुकसान जानकर हो जाएंगे हैरान

एलोवेरा का पौधा शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल सेहत के साथ-साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है। एलोवेरा जैल से स्ट्रैच मार्क्स, रूखी त्वचा और स्किन की कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा कई लोग स्वस्थ शरीर के लिए एलोवेरा जूस का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन सब फायदों के साथ एलोवेरा के कई नुकसान भी हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

1. हार्ट प्रॉब्लम : एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से शरीर में पोटेशियम की मात्रा घट जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और हार्ट अटैक आने का खतरा बन जाता है।

2. डायरिया : इसमें लैक्सेटिव एंथ्राक्विनोन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो पेट को नुकसान पहुंचाते है। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से डायरिया जैसी समस्या हो जाती है।

3. गर्भपात : गर्भवती महिलाओं के लिए एलोवेरा जूस काफी खतरनाक होता है। इसके सेवन से गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा जो महिलाएं स्तनपान करवाती हैं उन्हें भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

4. दवाओं का असर : जो लोग किसी बीमारी की वजह से लंबे समय से दवाओं का सेवन करते हैं उन्हें भी इसका सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि एलोवेरा में मौजूद लैक्सेटिव गुण शरीर पर दवाओं का असर नहीं होने देते।

भोजन के साथ न पीएं पानी हो सकते है नुकसान

पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कई रोग दूर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना-खाने के बाद, बीच या पहले पानी पीने से पाचन प्रक्रिया पर बहुत बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं कि इस तरह पानी पीने के क्या नुकसान हो सकते हैं। खाना खाने के 1 घंटे बाद ही पानी पीएं। आइए जाने इसके नुकसान।

न पीएं खाने के बीच पानी

खाने के बीच में पानी पीने से भोजन पच नहीं पाता और सीने में जलन होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. भोजन को अच्छे से चबा कर खाएं। चबा कर खाने से खाना पच जाता है और पानी पीने की जरुरत भी नहीं रहती।
2. भोजन करते समय अगर खांसी आए तो पानी की जगह दूध या लस्सी का सेवन करें।
3. अगर आप कुछ तीखा या चटपटा खा रहे हैं तो प्यास लगने पर गिलास भर कर पानी न पीएं। सिर्फ 2 घूट ही पीएं।
4. खाने के 1 घंटे बाद गर्म पानी पीने से पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाना पचने में मदद मिलती है।
5. खाना खाते समय कोल्ड ड्रिंक और जूस का सेवन न करें।
6. अगर भोजन तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन और खट्टा है तो पानी जरुर पीएं। ऐसे में पानी पीने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

100 बीमारियों की एक दवा है आंवला, आजमा कर देखिये

1. आंवले का सेवन वजन घटाने के लिए भी होता है। आंवला हमारे शरीर के फैट को बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

2. अगर आपको भूलने की आदत है तो जनाब देर किस बात की है... तुरंत बाजार जाएं और आंवला खरीदकर खाएं। याददाश्त बढ़ाने में आंवले का सेवन लाभदायक है। रोजाना आंवले का मुरब्बा खाने से दिमाग तेज होता है।

3. आंवले का पेस्ट चेहरे पर लगाने से त्वचा संबंधी कई समस्याओं से छुट्टी मिल सकती है। आंवला खाने से या चेहरे पर इसका पेस्ट लगाने से झुर्रियां नहीं आती, त्वचा साफ और निखरी रहती है। चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आंवले का इस्तेमाल करें। रोजाना एक आंवला खाने से आपकी त्वचा जवां बनी रहेगी।

4. रुखे और बेजान बालों से छुटकारा पाने के लिए आंवला बेहतरीन उपाय है। आंवला बालों के लिए प्राकृतिक टॉनिक है, जो बालों का विकास करने के साथ-साथ उन्हें झड़ने से भी रोकता है।

5. शुगर के मरीजों के लिए आंवले का जूस पीना लाभदायक होता है। आंवले का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। बता दें, आंवले का जूस लगातार पीने से मधुमेह की बीमारी का अंत संभव है।

6. पेट से जुड़ी समस्या जैसे कब्ज और एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आंवले का सेवन करें।

7. आंवले का रस आंखों के लिए फायदेमंद है। आंवला आंखों से जुड़ी समस्याओं (मोतियाबिंद, कलर ब्लाइंडनेस, कम दिखना) से निजात दिलाने में सक्षम है।

8. अगर खुजली की समस्या से परेशान हैं तो आंवले के पाउडर को किसी भी तेल में मिलाकर खुजली वाली जगह पर मसाज करें।

9. आंवले में बैक्टीरिया और फंगस से लढ़ने की क्षमता होती है। आंवला अल्सर, पेट में संक्रमण जैसी बीमारियों को खत्म करता है।

10. आंवले का जूस रोजाना पीने से कोलेस्ट्रोल लेवल कम करने में मदद मिलती है। आंवले में मौजूद एमिनो एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट्स दिल के लिए फायदेमंद हैं।

11. महिलाओं में अक्सर वाइट डिस्चार्ज की समस्या देखी जाती है। ऐसे में आंवला पाउडर में शहद मिलाकर लगातार खाने से वाइट डिस्चार्ज की परेशानी से निजात पाया जा सकता है।

इन फेस पैक से पाएं गोरी और निखरी त्वचा

हर लड़की चाहती है कि वो खूबसूरत दिखे लेकिन तेज धूप के कारण चेहरे की रंगत काली पड़ जाती है। इससे बचने के लिए लड़कियां कई तरह के प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती है लेकिन इनमें कैमिकल्स होने क कारण कई बार चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इन घरेलू फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे की रंगत को निखारा जा सकता है।

1. मिल्क पाउडर और नींबू : 1 चम्मच मिल्क पाउडर में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट के बाद पानी से धो लें।

2. ओटमील और दही : ओटमील को रातभर पानी में भिगो कर रख दें। सुबह इसको ब्लैडर में पीस लें और फिर इसमें दही मिला कर पैक तैयार करें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर पानी से धो लें।

3. आलू: आलू के रस को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

4. टमाटर और हल्दी : 1 चम्मच टमाटर के रस में आधा चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी को मिला कर पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें।

5. बेसन : 1 चम्मच बेसन में 2 चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं

6. पुदीना : पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार करें। सूखने पर चेहरे को अच्छे से धो लें। इससे त्वचा की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

7. केला : केले को पीस कर उसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दही मिला कर पेस्ट तैयार करें।

रेसिपी

पनीर चीज टोस्ट

1 1/2 स्पून तेल,

1/2 स्पून जीरा,

90 ग्राम प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक का पेस्ट, 90 ग्राम टमाटर, 1/4 स्पून हल्दी,1/2 स्पून नमक,

1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 170 ग्राम पनीर, 1/2 टीस्पून मेंथी,

1 1/2 टेबलस्पून धनिया, ब्रेड स्लाइस, मोत्ज़ारेला पनीर, रेड चिली फ्लेक्स

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके जीरा और प्याज डालें और अच्छे से भूनें। अब इसमें हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डालकर 4-5 मिनट के लिए भूनें। फिर इसमें टमाटर, हल्दी, नमक, गरम मसाला और लाल मिर्च डालकर मिलाएं । इसके बाद इसमें पनीर, मेंथी और धनिया डालकर भूनें। अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उसपर पनीर की भुर्जी, मोत्ज़ारेला पनीर और रेड चिली फ्लेक्स डालें। ओवन को 330°F/170°C के तापमान पर प्रीहीट करके ब्रेड स्लाइस को 7-10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर चीज टोस्ट तैयार है, इन्हें सर्व करें।

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार,
1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन,
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा,
3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तलने के लिए- तेल , परोसने के लिए : टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी

(2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**